RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 101 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 05-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 शुभेंदु ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने की मांग की

6 गुरु नानक देव : मानवता के पथप्रदर्शक, विलक्षण संत

7 जटाधारा की शूटिंग के दौरान मेकर्स ने करवाए असली तांत्रिक अनुष्ठान

फर्स्ट टेक

सूडान में युद्ध बेकाबू हो रहा : संयुक्त राष्ट्र महासचिव

दुबई/एपी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने मंगलवार को आगाह किया कि सूडान में युद्ध तेजी से नियंत्रण के बाहर हो रहा है। उनकी यह टिप्पणी दारफुर के अल-फशर शहर पर अर्धसैनिक बल के कब्जे के बाद आई है। कतर में संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में गुतारेस ने अल-फशर के बारे में कड़ी चेतावनी दी और दो साल से जारी संघर्ष को तत्काल रोकने का आह्वान किया, जो दुनिया के सबसे खराब मानवीय संकटों में से एक बन गया है। गुतारेस ने कहा, अल-फशर पर अर्धसैनिक बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' के कब्जे के कारण लाखों नागरिक फंस गए हैं। लोग कुपोषण, बीमारी और हिंसा से मर रहे हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध : यूक्रेनी ड्रोन रूस के अंदरूनी हिस्सों में गिरे

मॉस्को/एपी। यूक्रेन ने लंबी दूरी के ड्रोनों से रूस के अंदर एक औद्योगिक संयंत्र पर हमला किया। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वहीं यूक्रेन की सेना पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र के प्रमुख शहर पोक्रोवस्क पर रूसी हमले रोकने के लिए भीषण संघर्ष कर रही है। क्षेत्रीय गवर्नर राडिया हबीरोव ने एक बयान में कहा कि रूस के बश्कोर्तोस्तान क्षेत्र के शहर स्टर्लिटामक में एक औद्योगिक प्रतिष्ठान को दो ड्रोनों से निशाना बनाया गया, हालांकि उन्होंने प्रतिष्ठान के नाम नहीं बताए। उन्होंने साथ ही कहा कि दोनों ड्रोनों को मार गिराया गया। हबीरोव ने बयान में कहा कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ और प्रतिष्ठान में सामान्य कामकाज जारी है।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित

कराची/भाषा। पाकिस्तान में सोमवार रात से विमान इंजीनियरों की अघोषित हड़ताल के कारण राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की उड़ान बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हड़ताल के कारण राष्ट्रीय विमानन कंपनी की कम से कम आठ अंतरराष्ट्रीय और कई घरेलू उड़ान रद्द हो गई हैं। अब विमानन कंपनी ने परिचालन फिर से शुरू करने के लिए अन्य विमानन कंपनियों के विमान इंजीनियरों की मदद मांगी है। इंजीनियरों द्वारा निर्धारित उड़ानों के लिए सुरक्षा मंजूरी जारी करने से इनकार करने के बाद सोमवार रात से कराची, लाहौर और रावलपिंडी के हवाई अड्डों पर सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के एक अधिकारी हफीज खान ने कहा कि वह और नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए), उड़ानों में व्यवधान व विमान कंपनियों को हुए नुकसान के लिए संबंधित इंजीनियरों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करेंगे।

सूर्यास्त	सूर्योदय
05-11-2025	06-11-2025
5:51 बजे	6:14 बजे

BSE	NSE
83,459.15	25,597.65
(-519.34)	(-165.70)

सोना	चांदी
12,609 रु.	150,121 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

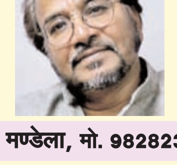

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दोगलों से सावधान

गद्दार छुपें हों आस-पास,
हो जाएं थोड़े आशंकी।
चाहे हो कितने ही ज़हीन,
हो सकते हैं वे आतंकी।
बन करके वे सबके अज़ीज,
कर सकते हैं कुछ नौटंकी।
चाहे हो धर्म ध्यान वाले,
हो सकते वे रावण लंकी।।

भारत पर दोबारा हमला किया तो 'गोली का जवाब गोले से' मिलेगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरभंगा/मोतिहारी/बेतिया/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अमित शाह ने मंगलवार को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों को दोबारा भारत पर हमला नहीं करने की चेतावनी दी और कहा कि यदि उन्होंने ऐसी गलती दोहराई तो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा।

शाह ने कहा कि बिहार में प्रस्तावित रक्षा गलियारे (डिफेंस कॉरिडोर) में बनने वाले विस्फोटक इन आतंकियों के खिलाफ इस्तेमाल किए जाएंगे। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के आतंकवादियों ने पहलगाम में हमारे नागरिकों पर हमला किया था।

उन्होंने हमारी माताओं-बहनों की मांग का सिंदूर पोंछ दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 दिन के भीतर ऑपरेशन सिंदूर चलाकर इसका बदला लिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की जमीन पर घुसकर आतंकियों को समाप्त कर दिया।

मोदी जी के नेतृत्व में बनी सरकार देश की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जबकि कांग्रेस शासन में ऐसा नहीं था।

शाह ने कहा, प्रधानमंत्री बिहार में रक्षा गलियारा स्थापित कर रहे हैं। अगर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी दोबारा गलती करेंगे, तो 'गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा।' ये गोले बिहार में ही बनेंगे।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में बनी सरकार देश की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जबकि कांग्रेस शासन में ऐसा नहीं था।

शाह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उनके पुत्र तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए कहा, ये लोग दिवंगत मोहम्मद शाहाबुद्दीन की जयजयकार करते हैं, जिन्होंने राजद शासनकाल में सिवान को आतंक का अड्डा बना दिया था। लेकिन बिहार की जनता अब 'जंगलराज' की वापसी नहीं होने देगी। दरभंगा, मोतिहारी और बेतिया में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने मतदाताओं से अपील की कि वे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर भाजपा का चुनाव चिह्न 'कमल' दबाकर लालू-राबड़ी शासन जैसे 'जंगलराज' की वापसी रोकें, जिसने बिहार को बर्बाद कर दिया था। उन्होंने कहा, चंपारण गवाह है कि कैसे राजद शासनकाल में बिहार की धरती खून से लाल हो जाती थी।

शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी तंज कसते हुए कहा कि वे बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे हैं। मैं राहुल गांधी को चुनौती देता हूं कि वे जितनी यात्राएं निकालना चाहें निकाल लें, लेकिन हम घुसपैठियों को देश से बाहर करेंगे।

राष्ट्रपति का युवाओं से विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नैनीताल/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को युवाओं से वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में योगदान देने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने यहां कुमाऊं विश्वविद्यालय में 20वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा, ''हमने वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में आप जैसे युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।''

मुर्मू ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और देश में अर्थव्यवस्था के निरंतर प्रगति करने के लिए सरकार अनेक नीतिगत कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, ''सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से युवाओं के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।'' उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थाओं से भी युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को कहा जिससे वे इन अवसरों का समुचित उपयोग कर सकें।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि शिक्षा, किसी भी देश के विकास की आधारशिला होती है और इसलिए शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थी में बौद्धिकता और कौशल का विकास करने के साथ ही उसके नैतिक बल और चरित्र बल को भी मजबूत बनाए। उन्होंने कहा, ''शिक्षा हमें आत्मनिर्भर तो बनाती ही है, साथ ही शिक्षा हमें विनम्र बनने तथा समाज और देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित भी करती है।''

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में

यात्री ट्रेन के मालगाड़ी से टकराने से आठ व्यक्तियों की मौत, 14 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब मंगलवार को एक लोकल ट्रेन के एक मालगाड़ी से टकरा जाने से आठ लोगों की मृत्यु हो गई जबकि 14 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

बिलासपुर जिलाधिकारी संजय अग्रवाल ने बताया कि एक लोकल ट्रेन आज कोरबा जिले के गेवरा रोड रेलवे स्टेशन से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी। अग्रवाल ने बताया कि जब ट्रेन शाम लगभग चार बजे गतौरा और बिलासपुर रेलवे स्टेशन के मध्य में थी तभी लोकल ट्रेन ने एक मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में आठ लोगों की मृत्यु हुई है तथा 14 अन्य यात्री घायल हुए हैं। घटनास्थल बिलासपुर शहर से कुछ किलोमीटर दूर है। बिलासपुर में दक्षिण पूर्वी मध्य रेलवे जोन का मुख्यालय है। उन्होंने बताया कि घायलों को बिलासपुर शहर के अपोलो, छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान और अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि अपोलो अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। अग्रवाल ने बताया कि घटना के दौरान लोकल ट्रेन की पहली बोगी, मालगाड़ी की अंतिम बोगी के ऊपर चढ़ गई और छतिग्रस्त हो गई।

दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर भारत : सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि भारत वैश्विक मंच पर आज एक तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है और शीघ्र ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

सीतारमण ने यहां दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज अपनी आर्थिक ताकत के दम पर अपने पैरों पर खड़ा है। उन्होंने कहा, '' हमें जो सबसे अलग बनाता है, वह 2014 में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से अब पांचवीं और फिर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। संभवतः जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने वाले हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार अब तक 2.5 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी की स्थिति से

बाहर निकालने में सफल रही है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन-स्तर जैसे कई मानदंड शामिल होते हैं।

वित्त मंत्री ने बैंकों की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बहीखाते सात-आठ साल पहले की 'दोहरी बहीखाता समस्या' की तुलना में काफी मजबूत हो चुके हैं।

दोहरी बहीखाता समस्या का मतलब बैंकों और उद्योगों दोनों पर भारी वित्तीय दबाव होने से है। इसमें जहां अधिक कर्ज के कारण कंपनियां ऋण चुकाने में चूक करती हैं, वहीं इससे बैंकों का एनपीए बढ़ता है।

इसके साथ ही सीतारमण ने भरोसा जताया कि सरकार चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 प्रतिशत राजकोषीय घाटे के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहेगी।

'चैटजीपीटी गो' सेवा भारत में एक साल तक मुफ्त मिलेगी

नई दिल्ली/भाषा। कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई के एआई टूल 'चैटजीपीटी गो' की ग्राहकी-आधारित सेवा मंगलवार से देशभर में शुरू हो गई। सीमित समय के भीतर इससे जुड़ने वाले भारतीय उपयोगकर्ताओं को एक साल तक यह सेवा निःशुल्क मिलेगी। इस प्रचार अभियान का हिस्सा अभी चैटजीपीटी वेब या गूगल प्ले स्टोर से बना जा सकता है जबकि यह अगले सप्ताह एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध होगा। 'चैटजीपीटी गो' को ओपनएआई ने हाल ही में सब्सक्रिप्शन मॉडल पर पेश किया है। इसके तहत भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए बढ़ी हुई संदेश सीमा, तस्वीरों के निर्माण और फाइल अपलोड की सुविधा मिलेगी। यह साल भर चलने वाला निःशुल्क प्रचार अभियान मंगलवार को बेंगलूरु में ओपनएआई के पहले 'डेव-डे एक्सचेंज' कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ।

भारत और इजराइल ने महत्वपूर्ण रक्षा समझौते पर किए हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इजराइल ने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की वैश्विक नीति विकसित करने और व्यापार, बुनियादी ढांचे व कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर मंगलवार को चर्चा की। इस दौरान भारत ने यह उम्मीद जताई कि अमेरिका की मध्यस्थता से तैयार की गई गाजा शांति योजना क्षेत्र में स्थायी शांति लाने में सहायक होगी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार के बीच यह बातचीत हुई। दोनों देश आने वाले महीनों में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भारत यात्रा की संभावना पर भी विचार कर रहे हैं।

बैठक में भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) पर भी चर्चा हुई, जिसके तहत क्षेत्रीय संपर्क व व्यापार को बढ़ावा देने के अवसरों की तलाश

की जा रही है। जयशंकर ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में कहा कि भारत और इजराइल दोनों आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम कठिन समय में एक साथ खड़े रहे हैं और हमारे संबंध आपसी विश्वास पर आधारित हैं। दोनों देश आतंकवाद की विशेष चुनौती का सामना कर रहे हैं।

गिदोन सार ने कहा कि इजराइल इस समय गाज़ा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला, और यमन में हूती जैसे कट्टर आतंकवादी संगठनों से मुकाबला कर रहा है।

उन्होंने कहा, हमास के आतंकवादी शासन को खत्म करना राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप की योजना का प्रमुख हिस्सा है। हम हमास को निशस्त्र करने के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे।

केंद्र में 'जंगलराज' लाए हैं मोदी : राहुल

औरंगाबाद/गयाजी (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'वोट चोरी' करके केंद्र में 'जंगलराज' लाए हैं।

गांधी ने औरंगाबाद और गयाजी जिलों में तीन चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर 'वोट चोरी' कर रहे हैं तथा ये लोग 'वोट चोरी' के बिना चुनाव नहीं जीत सकते।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने युवाओं से मुस्तैद रहने का आह्वान किया और कहा कि यदि 'वोट चोरी' रोक दी गई कि इस विधानसभा चुनाव में महागठबंधन सूपड़ा साफ (स्वीप) कर देगा। उन्होंने दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ''पकड़ रखा है'' और अब इस प्रदेश में ''नीतीश कुमार की सरकार'' कभी नहीं बनने वाली है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि जिस तरह 'रिमोट' के जरिये टेलीविजन चैनल बदले जाते हैं, उसी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ''नीतीश कुमार का चैनल'' बदलते हैं तथा बिहार के मुख्यमंत्री वही करते हैं जो भाजपा के ये दोनों शीर्ष नेता चाहते हैं।

चीन में उड़ने वाली कारों का परीक्षण उत्पादन शुरू

बीजिंग/भाषा। चीन की एक कंपनी ने उड़ने वाली कारों का इस सप्ताह परीक्षण उत्पादन शुरू किया है। यह अमेरिका की कंपनी टेस्ला और अन्य द्वारा जल्द ही ऐसी कार पेश करने की योजना से पहले किया जा रहा है।

चीन की इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी एक्सपेंग की सहयोगी कंपनी एक्सपेंग एयरोहट ने सोमवार को बड़े पैमाने पर उड़ने वाली कार बनाने के लिए दुनिया के पहले 'इंटेलिजेंस' कारखाने में परीक्षण उत्पादन शुरू किया। यह अगली पीढ़ी के परिवहन के व्यावसायीकरण में एक उपलब्धि है।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण चीन के गुआंगदोंग प्रांत की राजधानी गुआंगझोउ के हुआंगपु जिले में स्थित 120,000 वर्ग मीटर के इस संयंत्र ने पहले ही अपने मॉड्यूलर फ्लाइंग कार 'लैंड एयरक्राफ्ट कैरियर' का पहला अलग हो सकने वाला इलेक्ट्रिक विमान तैयार कर लिया है।

इस सुविधा को 10,000 अलग किए जा सकने वाले विमान मॉड्यूल की वार्षिक उत्पादन क्षमता के लिए तैयार किया गया है, जिसकी प्रारंभिक क्षमता 5,000 इकाइयों की होगी।

अनिल अंबानी के रिलायंस समूह ने कहा,

कुर्की से कारोबार पर कोई असर नहीं

नई दिल्ली/भाषा। अनिल अंबानी के रिलायंस समूह ने मंगलवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मनी लॉन्ड्रिंग जांच से जुड़ी 7,500 करोड़ रुपये की संपत्तियों की कुर्की से समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के कारोबार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। समूह की सूचीबद्ध कंपनियों ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कुर्क की गई अधिकांश संपत्तियां रिलायंस कम्युनिकेशंस की हैं, जो कि समाधान पेशेवर और भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाले कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) के नियंत्रण में हैं। जांच एजेंसी ने 31 अक्टूबर को धन शोधन निरोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 42 संपत्तियों को कुर्क करने के लिए चार अलग-अलग अस्थायी आदेश जारी किए। इसमें 66 वर्षीय अंबानी के मुंबई के पाली हिल स्थित पारिवारिक घर के अलावा उनकी समूह कंपनियों की अन्य आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियां भी शामिल हैं। यह कुर्की रिलायंस कम्युनिकेशंस और उससे संबंधित कंपनियों से जुड़े मामलों से जुड़ी है। ये मामले 2017 और 2019 के बीच यस बैंक से लिए गए ऋण का कथित रूप से दुरुपयोग से संबंधित हैं।

गुजरात में फसल नुकसान पर राजनीतिक घमासान, किसानों को मुआवजे पर कांग्रेस और आप में मतभेद

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात में हाल में बेमौसम बारिश के कारण फसल को हुए नुकसान से पीड़ित किसानों को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी, विपक्षी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है।

आप ने जहां मांग की कि सभी प्रभावित किसानों को बिना किसी आकलन सर्वे के 50,000 रुपए प्रति हेक्टेयर का मुआवजा दिया जाए तो वहीं कांग्रेस ने कहा कि यह राशि बहुत मामूली है और उसने अधिक भुगतान (50,000 रुपए प्रति बीघा) की मांग की। गुजरात में एक हेक्टेयर में लगभग छह बीघा होता है। मुआवजे की मांग ऐसे समय की जा रही है जब राज्य सरकार अभी तक फसल क्षति आकलन कार्य में लगी हुई है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घोषणा की है कि उनकी सरकार जल्द ही उन किसानों को राहत पैकेज प्रदान करेगी जिनकी फसलें पिछले सप्ताह राज्य के कुछ हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई थीं।

कांग्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि आप की 50,000 रुपए प्रति हेक्टेयर मुआवजे की मांग बहुत कम है और पार्टी पर सत्तारूढ़ भाजपा के साथ गुप्त समझौता करने का आरोप लगाया। भाजपा ने भी आप पर पलटवार करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी केवल बड़े-बड़े दावे करने में माहिर है, जबकि पंजाब में उनकी अपनी सरकार ने प्रभावित किसानों को मुआवजा नहीं दिया है।

बेमौसम बारिश के कारण खड़ी फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए आप संयोजक केजरीवाल ने हाल में अपने गुजरात दौरे के दौरान मांग की थी कि प्रभावित किसानों को 50,000 रुपए प्रति हेक्टेयर मुआवजा दिया जाए, जैसा कि आप सरकार ने पंजाब में बारिश से प्रभावित किसानों को दिया था।

सार्वजनिक बैंकों के निजीकरण से वित्तीय समावेशन को कोई नुकसान नहीं : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण से वित्तीय समावेशन या राष्ट्रीय हित को कोई नुकसान नहीं होगा।

सीतारमण ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 'दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स' में आयोजित हीरक जयंती व्याख्यान समारोह में कहा कि वर्ष 1969 में किए गए बैंकों के राष्ट्रीयकरण से वित्तीय समावेशन को लेकर अपेक्षित नतीजे नहीं मिले।

सीतारमण ने कहा, ''राष्ट्रीयकरण ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में ऋण देने और सरकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने में मदद की, लेकिन सरकारी नियंत्रण के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक गैर-पेशेवर हो गए।'' उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में राष्ट्रीयकरण के उद्देश्य पूरी तरह हासिल नहीं हुए लेकिन बैंकों को पेशेवर बनाए जाने पर वे उद्देश्य अच्छी तरह हासिल हो रहे हैं।

इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कहा, ''यह धारणा गलत है कि जब हम बैंकों को पेशेवर बनाते हैं या उनका निजीकरण करना चाहते हैं, जो मंत्रिमंडल का एक निर्णय है, तो इससे हर व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने का उद्देश्य खत्म हो जाएगा। ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के दुरुपयोग से 2012-13 में 'दोहरी बहीखाता समस्या' उत्पन्न हुई थी, जिसे दुरुस्त करने में छह साल लग गए। लेकिन अब भारतीय बैंक परिसंपत्ति गुणवत्ता, शुद्ध ब्याज मार्जिन और ऋण एवं जमा वृद्धि के मामले में बेहतरीन स्थिति में हैं।

सीतारमण ने कहा, ''जब बैंकों को पेशेवर तरीके से और निदेशक मंडल स्तर की निर्णय प्रक्रिया के तहत काम करने दिया जाता है, तब राष्ट्रीय और बैंकिंग हित दोनों ही सुरक्षित रहते हैं।''

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुनर्गठन के तहत बैंकों की संख्या को घटाकर 12 कर दिया गया है जबकि 2017 में इनकी संख्या 27 थी।

प्रत्येक 40 दिन में एक नया युद्धपोत या पनडुब्बी शामिल कर रही है नौसेना : एडमिरल त्रिपाठी

नई दिल्ली/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने मंगलवार को कहा कि नौसेना में हर 40 दिन में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी शामिल की जा रही है। उन्होंने सुरक्षा संबंधी विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए समुद्री क्षेत्र में संप्रभु क्षमता निर्माण के प्रयासों को भी रेखांकित किया।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय नौसेना ने 'आत्मनिर्भरता' को न केवल रणनीतिक अनिवार्यता के रूप में अपनाया है, बल्कि भविष्य के आश्वासन के लिए एक निवेश के रूप में भी अपनाया है। उन्होंने कहा कि बल का लक्ष्य 2035 तक 200 से अधिक युद्धपोतों और पनडुब्बियों का संचालन करना है।

नौसेना प्रमुख ने भारत शक्ति द्वारा आयोजित भारत रक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए किसी भी समुद्री शक्ति के लिए आत्मनिर्भरता, तालमेल और सुरक्षा को तीन प्रमुख स्तंभों के रूप में चिह्नित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना अपनी समग्र शक्ति को बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ''औसतन, हर 40 दिन में भारतीय नौसेना में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी शामिल की जा रही है। हम 2035 तक 200 से अधिक जहाजों वाली नौसेना बनना चाहते हैं, इसलिए हमारे सभी 52 जहाज, जिनका ऑर्डर अभी दिया गया है, भारतीय गोदी में बनाए जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''पोतों से आगे बढ़ते हुए, हमारा उद्देश्य आत्मनिर्भरता को विस्तृत डिजाइन और सॉफ्टवेयर स्तर तक ले जाना और 2047 तक पूरी तरह से आत्मनिर्भर बल का निर्माण करना है।''

भारतीय नौसेना वर्तमान में लगभग 145 पोतों और पनडुब्बियों का संचालन करती है। एडमिरल त्रिपाठी ने अपने संबोधन में भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर विकसित रक्षा क्षमताओं की आवश्यकता को रेखांकित किया और दलील दी कि स्वदेशी ताकत युद्धक्षेत्रों से कहीं आगे तक फैली हुई है। उन्होंने कहा, ''यह अब औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र, नवाचार श्रृंखलाओं और सूचना नेटवर्कों से जुड़ा हुआ है, जहां सेमीकंडक्टर पनडुब्बियों की तरह ही निर्णायक हो सकते हैं, और सुरक्षित समुद्री मार्ग जितना ही सुरक्षित संपर्क भी महत्वपूर्ण है।''

नौसेना प्रमुख ने कहा, ''मेरे विचार में, तीन कारक इस शक्ति को आधार प्रदान करते हैं - आत्मनिर्भरता, तालमेल और सुरक्षा, प्रत्येक एक दूसरे को मजबूत करते हैं, तथा मिलकर एक आधुनिक समुद्री शक्ति को परिभाषित करते हैं।''

महिलाओं की डिजिटल सुरक्षा, गोपनीयता को मजबूत करने के लिए साइबर कानूनों की समीक्षा का आह्वान

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने ऑनलाइन दुनिया में महिलाओं के लिए मजबूत डिजिटल अधिकार, गोपनीयता सुरक्षा और जवाबदेही तंत्र सुनिश्चित करने के लिए भारत के साइबर कानूनों की व्यापक समीक्षा की सिफारिश की है। ''कानून समीक्षा 2024 और 2025 के लिए अनुशंसात्मक रिपोर्ट'' में विस्तृत सिफारिशें विधि एवं न्याय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, महिला एवं बाल विकास और गृह मंत्रालयों को भेजी गई हैं।

यह रिपोर्ट एक साल तक जारी रहे राष्ट्रव्यापी परामर्श के समापन का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य लैंगिक-संवेदनशील दृष्टिकोण से भारत के साइबर कानूनी ढांचे की पुनर्कल्पना करना था। इस अभ्यास के तहत पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, गुजरात, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ में आठ क्षेत्रीय परामर्श आयोजित किए गए। इसके बाद दो राष्ट्रीय परामर्श और गुवाहाटी स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय एवं न्यायिक अकादमी में परामर्श आयोजित किए गए।

एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा, ''डिजिटल दुनिया ने महिलाओं के लिए सीखने, उद्यमशीलता और अभिव्यक्ति के अनंत द्वार खोले हैं, लेकिन इसने खतरे और धमकी के नये आयाम भी पैदा किए हैं।'' उन्होंने कहा कि आयोग एक ऐसे डिजिटल तंत्र की कल्पना करता है ''जहां कानून केवल अपराधियों को दंडित ही नहीं करे, बल्कि महिलाओं के सम्मान की रक्षा भी करे; जहां भय की जगह जागरूकता हो तथा हर महिला आत्मविश्वास, जानकारी और सुरक्षा के साथ डिजिटल दुनिया में कदम रख सके।''

अंतिम परामर्श में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए। इस परामर्श में डिजिटल दुनिया में महिलाओं की सुरक्षा के लिए सुधारों को आगे बढ़ाने में एनसीडब्ल्यू के प्रयासों की सराहना की गई।

जगनमोहन रेड्डी ने चक्रवात प्रभावित इलाकों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने मंगलवार को कृष्णा जिले में चक्रवात 'मोंथा' से प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

आंध्र प्रदेश में भीषण चक्रवाती तूफान मोंथा के कारण हाल में व्यापक पैमाने पर बाढ़ आयी थी, जिससे हजारों एकड़ भूभाग में लगी फसलें नष्ट हो गयीं, बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और राज्य भर में कम से कम 5,244 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। राज्य में विपक्षी दल की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''जगनमोहन रेड्डी चक्रवात से क्षतिग्रस्त खेतों का दौरा करेंगे और किसानों से सीधे उनके नुकसान के बारे में बात करेंगे। खेतों के दौरे के बाद वह दोपहर में अवनीगड्डा राजमार्ग से ताडेपल्ली लौटेंगे।''

रेड्डी ने अपना दौरा ताडेपल्ली स्थित वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के मुख्य कार्यालय से शुरू किया।

रास्ते में सैकड़ों वाईएसआरसीपी कार्यकर्ता और समर्थक पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थन में मौजूद थे और उन्होंने नारे लगाए।

पंजाब विश्वविद्यालय को खत्म करने की कोशिश कर रहे भाजपा और आरएसएस : चन्नी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू) की 'सीनेट' और 'सिंडिकेट' के पुनर्गठन के मुद्दे पर मंगलवार को भाजपा नीत केन्द्र सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि भाजपा व आरएसएस इस विश्वविद्यालय को सुनियोजित तरीके से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। चन्नी 28 अक्टूबर की अधिसूचना के जरिये पंजाब विश्वविद्यालय की सीनेट और सिंडिकेट के पुनर्गठन को लेकर केंद्र सरकार के हालिया कदम के खिलाफ जारी पीयू के छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

पंजाब विश्वविद्यालय अधिनियम, 1947 में संशोधन के बाद अधिसूचना जारी की गई है, जिसके तहत सीनेट के सदस्यों की संख्या घटाकर 31 कर दी गई है। इसके अलावा कार्यकारी निकाय सिंडिकेट के लिए चुनाव का प्रावधान और सीनेट के स्नातक निर्वाचन क्षेत्र को खत्म कर दिया गया। छात्र विरोध प्रदर्शन न करने संबंधी हलफनामा देने के संबंध में इस साल जून में जारी पीयू के आदेश को वापस लेने की भी मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने इसे अलोकतांत्रिक बताते हुए दावा किया है कि हलफनामे में छात्रों को यह घोषणा करनी होगी कि वे विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शनों में भाग नहीं लेंगे। पंजाब विश्वविद्यालय कैंपस छात्र परिषद के महासचिव अभिषेक डागर हलफनामे के मुद्दे पर भूख हड़ताल पर हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चन्नी ने मीडिया से बात करते हुए पीयू के शासी निकायों के पुनर्गठन के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र की हत्या है। चन्नी ने कहा, भाजपा और आरएसएस विश्वविद्यालय को व्यवस्थित तरीके से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। चन्नी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने विश्वविद्यालय को पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीनेटरों की संख्या 91 से घटाकर 31 कर दी गई है। चन्नी ने कहा, हम इसका डटकर मुकाबला करेंगे।

लातूर में नदी पार करते समय मां-बेटी तेज बहाव में बहीं

लातूर/भाषा। महाराष्ट्र के लातूर जिले में नदी पार करते समय 35 वर्षीय एक महिला और उसकी बेटी तेज बहाव में बह गईं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह जलकोट तहसील के मारसांगवी गांव में हुई। उन्होंने बताया कि कौशल्या अजय वाघमारे और उनकी बेटी रुक्मिणी (14) कपास तोड़ने के लिए खेत जा रही थीं और तिरु नदी पार करते समय तेज बहाव के कारण दोनों बह गए।

नक्सलियों का अवैध हथियार कारखाना नष्ट

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों का अवैध हथियार कारखाना नष्ट कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गोमगुड़ा इलाके के घने जंगल में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों का हथियार कारखाना नष्ट कर दिया है। उन्होंने बताया कि जिले में जारी नक्सल रोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों को जंगल में नक्सलियों के हथियार कारखाने के संबंध में जानकारी मिली थी।

एक श्रद्धालु ने तिरुमला मंदिर को चांदी का 22 किलो वजनी बर्तन दान दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने मंगलवार को बताया कि हैदराबाद के एक श्रद्धालु ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी को चांदी का एक बड़ा बर्तन (गंगालम) अर्पित किया है।

टीटीडी ने कहा कि 22 किलोग्राम वजनी और 30 लाख रुपए मूल्य का गंगालम जे श्रीनिवासुलु रेड्डी द्वारा दान किया गया था। टीटीडी ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''श्रीनिवासुलु रेड्डी ने मंगलवार सुबह तिरुमला में श्री वेंकटेश्वर को 22 किलोग्राम वजन और 30 लाख रुपए मूल्य का चांदी का गंगालम अर्पित किया।''

रेड्डी ने श्रीवारी मंदिर के सामने मंदिर के अधिकारियों को चांदी का गंगालम सौंपा। टीटीडी दुनिया के सबसे धनी हिंदू मंदिर श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है।

राजग सरकार ने बिहार में महिलाओं को बेबसी और भय की छाया से बाहर निकाला है : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कहा कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने महिलाओं को बेबसी और भय की छाया से बाहर निकाला है।

पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में ईरानी ने कहा कि उन्हें इस बात का दुःख है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार में महिलाओं से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ रोकने के लिए निर्वाचन आयोग से अपील की है। उन्होंने कहा, जन धन योजना से बिहार की तीन करोड़ से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है और उज्ज्वला योजना के तहत 1.16 करोड़ महिलाओं को लाभ प्राप्त हुआ है। हम यह भी देख चुके हैं कि प्रत्येक घर में शौचालय निर्माण का वादा पूरा किया गया है।

ईरानी ने कहा, मेरे लिए यह पीड़ा की बात है कि एक ओर राजग सरकार बिहार की महिला लाभार्थियों के खातों में सीधे धन हस्तांतरित कर रही है, वहीं दूसरी ओर राजद नेताओं ने निर्वाचन आयोग को लिखित प्रस्ताव देकर इन लाभों को रोकने की मांग की है।

गौरतलब है कि राजद सांसद मनोज झा ने 31 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि बिहार सरकार ने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करते हुए 17, 24 और 31 अक्टूबर को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को राशि हस्तांतरित की है। ईरानी ने कहा कि बिहार में राजग सरकार ने अब तक 1.3 करोड़ महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए की राशि भेजी है और भविष्य में प्रत्येक लाभार्थी को कुल दो लाख रुपए देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा, राजग सरकार ने न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता दी है, बल्कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक भी पारित किया है।

ईरानी ने कहा कि विपक्षी दलों के विरोध के बावजूद संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित कर भाजपा नेतृत्व ने महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया है। उन्होंने कहा, महिलाओं के उत्थान के प्रति यह समर्पण केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और नीतिगत निर्णयों के रूप में जमीन पर दिखाई दे रहा है।

शादी रचाने से पहले दिल्ली के जोड़े 'एयर प्यूरीफायर' को अपना रहे

नई दिल्ली/भाषा। राजधानी में जैसे-जैसे हवा की गुणवत्ता गिरती जा रही है और धुंध की चादर से आसमान ढंकता जा रहा है, इस मौसम की शादियों में माला, फूल, खाने और संगीत के अलावा एक और चीज जुड़ गई है और वह है-एयर प्यूरीफायर। पर्याप्त संख्या में 'एयर प्यूरीफायर' से लेकर रंगों से मेल खाते मास्क तक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

वायु प्रदूषण से जूझ रहे परिवार अपने बजट में बदलाव कर रहे हैं ताकि वे और उनके मेहमानों साफ हवा में सांस ले सकें।

'विवाह लग्जरी वेडिंग्स' के मोहसिन खान के ग्राहकों ने अपने इनडोर कार्यक्रमों के लिए चार से 10 एयर प्यूरीफायर ऑर्डर किए हैं। व्यवसाय से जुड़े अन्य लोगों ने भी इसी तरह के अनुभव साझा किए।

इस उद्योग में 15 वर्षों से कार्यरत खान ने कहा कि लोग मौसम में स्वच्छ हवा के लिए 20,000 रुपए से 40,000 रुपए अतिरिक्त खर्च करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इन प्यूरीफायर का किराया ब्रांड और अन्य कारकों के आधार पर लगभग 3,000 रुपए से 4,000 रुपए प्रति प्यूरीफायर है। उन्होंने कहा कि शादियों के दौरान 'एयर प्यूरीफायर' की व्यवस्था किये जाने की मांग वे परिवार अधिक कर रहे हैं जिनके मेहमान विदेश से आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात में प्रवासी भारतीय अपनी शादी की योजनाओं पर पुनर्विचार कर रहे हैं।

खान ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''वे 100 से नीचे के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के आदी हैं और जब वे दिल्ली पहुंचते हैं और इसके स्तर को 400 तक पहुंचता देखते हैं, तो वे 'प्यूरीफायर' की मांग करने लगते हैं। यह उनके लिए वास्तव में चिंता का विषय है।''

खान से सहमति जताते हुए 'मेगा वेडिंग्स एंड इवेंट्स' की मेघा जिंदल ने कहा कि प्राथमिकताओं में बदलाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि इनडोर समारोहों खासकर संगीत समारोह के दौरान अब उन होटलों से 'प्यूरीफायर' की व्यवस्था करने की मांग की जाती है जहां वे आयोजित किए जा रहे हैं।

बैंक्वेट हॉल से लेकर इनडोर संगीत समारोहों तक, परिवार कई प्यूरीफायर किराए पर ले रहे हैं और अपने आयोजन स्थलों को छोटे स्वच्छ वायु क्षेत्रों में बदल रहे हैं।

खान ने कहा कि कई परिवार अपने आयोजन स्थलों को खुले लॉन से इनडोर बैंक्वेट हॉल में बदल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कुछ अन्य लोग तो अपने समारोहों को शहर से बाहर मसूरी, चंडीगढ़ और अन्य आस-पास के कस्बों और शहरों जैसे बेहतर वायु गुणवत्ता सूचकांक वाले स्थानों पर आयोजित करने का विकल्प चुन रहे हैं।

शादियों के आयोजन की व्यवस्था करने वालीं दक्षिण दिल्ली की संगीता ने कहा कि मध्यम वर्गीय परिवार भी इसके अनुकूल होने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वे विशाल आउटडोर लॉन का खर्च नहीं उठा सकते, इसलिए बैंक्वेट हॉल उनके लिए सबसे सुरक्षित विकल्प हैं। और कई स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहक वहां भी एयर प्यूरीफायर की मांग कर रहे हैं।''

पश्चिमी दिल्ली में शादी के आयोजन के प्रबंधन से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि वायु गुणवत्ता का मुद्दा दुल्हन के फैशन विकल्पों में भी शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि एक दुल्हन ने तो अपने पहनावे से मेल खाता मास्क भी पहना था। उन्होंने कहा कि मेहमान भी मास्क लगाकर पूरी तैयारी के साथ आ रहे हैं।

शादी समारोह में रोटियों पर थूकने का आरोपी गिरफ्तार

बुलंदशहर (उप्र)/भाषा। बुलंदशहर जिले के पहासू क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान रोटियां बनाते वक्त उन पर थूकने के आरोपी व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की पहचान पहासू थाना क्षेत्र के पठान टोला मोहल्ले के निवासी दानिश के रूप में की। वायरल वीडियो के आधार पर दो नवंबर को पहासू थाने में मामला दर्ज किया गया।

दरअसल इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गयी। वीडियो में एक व्यक्ति शादी समारोह में रोटियां बनाते समय कथित रूप से उन पर थूकता हुआ दिखाई दे रहा है। सिंह ने कहा, ''आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। कानूनी कार्रवाई की जा रही है।''

विमान का आपातकालीन द्वार खोलने की कोशिश में एक यात्री हिरासत में लिया गया

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार की शाम को एक यात्री ने वाराणसी से मुंबई जाने वाले विमान का आपातकालीन द्वार खोलने का प्रयास किया, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया।

फूलपुर के थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि अकासा एयर का विमान 'क्यूपी 1497' वाराणसी से मुंबई के लिए सोमवार शाम छह बजकर 45 मिनट पर उड़ान भरने के लिए रनवे की ओर जा रहा था। तभी विमान में सवार जौनपुर के गौरा बादशाहपुर निवासी सुजीत सिंह ने विमान का आपातकालीन द्वार खोलने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि विमान के पायलट द्वारा वायु यातायात नियंत्रण कक्ष को इस बारे में तुरंत सूचित किया गया जिसके बाद विमान को रोक कर वापस लाया गया।

पुलिस ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों ने सभी यात्रियों को विमान से उतारा और सुजीत सिंह को हिरासत में ले लिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि बाद में विमान को शाम सात बजकर 45 मिनट पर मुंबई रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि सुजीत सिंह ने पूछताछ में कहा कि उसने उत्सुकतावश विमान का आपातकालीन द्वार खोलने की कोशिश की थी। बहरहाल, उस पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक और उसके सहयोगियों के कड़े विरोध के बीच एसआईआर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कड़े विरोध के बीच मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया मंगलवार को शुरू हो गई और प्राधिकारियों ने कहा कि बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) लोगों को आवश्यक गणना प्रपत्र भरने में मार्गदर्शन देंगे।

तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत चार नवंबर से चार दिसंबर तक घर-घर जाकर गणना की जाएगी। इस बीच, द्रमुक ने एसआईआर के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दायर अपनी याचिका में इसे वास्तव में ''एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी)'' करार दिया है और इसकी संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। सत्तारूढ़ दल ने एसआईआर पर निर्वाचन आयोग की 27 अक्टूबर, 2025 की अधिसूचना को रद्द करने का अनुरोध किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी एवं मुख्य विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) इस प्रक्रिया का समर्थन कर रही है।

मुख्य निर्वाचन कार्यालय (सीईओ) कार्यालय के अनुसार, बूथ स्तर के अधिकारी घर-घर जाएंगे और सभी मौजूदा मतदाताओं को आंशिक रूप से पहले से भरे हुए गणना प्रपत्रों की दो प्रतियां वितरित करेंगे और प्रपत्र भरने में उनकी मदद करेंगे। सीईओ कार्यालय की एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, यदि बीएलओ को कोई घर बंद मिलता है, तो उसे कम से कम तीन बार वहां जाना होगा। मतदाता अपने गणना प्रपत्र डाउनलोड करके भरे हुए प्रपत्र ऑनलाइन भी जमा कर सकते हैं।

बीएलओ के आने की तारीखें पहले से साझा की जाएंगी और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के इलाके में व्यापक रूप से प्रचारित की जाएंगी। बीएलओ भरे हुए प्रपत्र एकत्र करेंगे और गणना प्रपत्र की एक प्रति में पावती प्रदान करेंगे, जिसे मतदाता अपने पास रख लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने वाले सत्तारूढ़ दल के विरोध के कारण कुछ कर्मचारी इस अभियान को आगे बढ़ाने में हिचकिचाहट महसूस कर रहे हैं।

सीईओ कार्यालय ने कहा, बीएलओ विवरण भरने में मतदाताओं की सहायता करेंगे। घर-घर जाकर गणना करने की अवधि के दौरान जिन मतदाताओं ने विधिवत भरे हुए गणना प्रपत्र बीएलओ को जमा किए होंगे, उन सभी के नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे, जिसका प्रकाशन नौ दिसंबर को किया जाएगा। इसमें उन मतदाताओं के नाम भी शामिल होंगे जिन्होंने भरे हुए और हस्ताक्षरित प्रपत्र ऑनलाइन जमा किए हैं। यदि कोई मतदाता निर्धारित समय के भीतर अपना भरा हुआ गणना प्रपत्र जमा नहीं करा पाता है तो वह नौ दिसंबर 2025 से आठ जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां करने की अवधि के दौरान प्रपत्र 6 जमा करा सकता है। सभी दावों और आपत्तियों पर विचार करने के बाद अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

50 करोड़ रुपए के लुप्तप्राय प्रजाति संरक्षण फंड का नया ढांचा तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने एक प्रमुख संरक्षण पहल के तहत तमिलनाडु लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण कोष (टीएनईएससीएफ) के प्रबंधन का पुनर्गठन किया है। यह कोष 50 करोड़ रुपए का है जिसका उद्देश्य राज्य भर में लुप्तप्राय प्रजातियों और उनके आवासों की रक्षा और पुनर्स्थापन करना है।

पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुप्रिया साहू द्वारा जारी एक सरकारी आदेश के अनुसार, इस कोष का प्रशासन राज्य वन विकास एजेंसी (एसएफडीए) से उन्नत वन्यजीव संरक्षण संस्थान (एआईडब्ल्यूसी), वंडलूर को स्थानांतरित कर दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य कार्यक्रम में अधिक वैज्ञानिक दृढ़ता और संस्थागत फोकस लाना है। सरकार ने कोष के संचालन की देखरेख के लिए दो समितियों (एक शासी और एक कार्यकारी) का गठन किया है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली शासी समिति कोष की रणनीतिक दिशा का मार्गदर्शन करने के लिए हर चार महीने में एक बार बैठक करेगी। इसमें वित्त, उद्योग और पर्यावरण जैसे प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इसमें रोहिणी नीलेकणी, मल्लिका श्रीनिवासन, जेके पैटरसन एडवर्ड, एस. बालचंद्रन और के. जयकुमार सहित संरक्षणवादी और परोपकारी लोग भी शामिल होंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक सदस्य-संयोजक के रूप में कार्य करेंगे। अपर मुख्य सचिव (पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन) की अध्यक्षता वाली कार्यकारी समिति, दैनिक कार्यों को संभालेगी, परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी देगी और उनके कार्यान्वयन की निगरानी करेगी। एआईडब्ल्यूसी, तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और वन विभाग के वरिष्ठ प्रतिनिधि इस पैनल का हिस्सा हैं।

पिछले साल 5 करोड़ रुपए की शुरुआती राशि से शुरू किया गया, टीएनईएससीएफ राज्य भर में प्रजातियों की पुनर्प्राप्ति, आवास पुनर्स्थापन और समुदाय-आधारित संरक्षण के लिए परियोजनाओं को वित्तपोषित करेगा।

यह तमिलनाडु में संरक्षण वित्त का विस्तार करने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों से अतिरिक्त संसाधन भी जुटाएगा।

कार्यक्रम का पहला चरण 4 कम ज्ञात लुप्तप्राय प्रजातियों पर केंद्रित होगा। इनमें से प्रत्येक प्रजाति को अलग-अलग पारिस्थितिक दबावों का सामना करना पड़ता है, जिनमें खंडित आवास और अवैध शिकार से लेकर आक्रामक प्रजातियों और प्रदूषण तक शामिल हैं। पश्चिमी और पूर्वी घाटों में फैले भू-दृश्यों वाला तमिलनाडु, विश्व स्तर पर एक जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में जाना जाता है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि इसके नाजुक पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा और इन अनोखी प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाने के लिए तत्काल संरक्षण प्रयास आवश्यक हैं।

कोयंबटूर दुष्कर्म मामला : मुख्यमंत्री स्टालिन का सख्त निर्देश, एक महीने के अंदर चार्जशीट दाखिल करे पुलिस

चेन्नई। कोयंबटूर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास एक स्नातकोत्तर कॉलेज छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म मामले में आरोपियों को पकड़ लिया गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को पुलिस को एक महीने के अंदर चार्जशीट दाखिल करने और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कोयंबटूर में उस जवान लड़की के साथ जो हुआ, वह बहुत ही अमानवीय है; ऐसे बेरहम अपराधों की निंदा करने के लिए कोई भी कड़े शब्द काफी नहीं हैं। इस मामले में शामिल अपराधियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया है। मैंने पुलिस को एक महीने के अंदर चार्जशीट दाखिल करने और यह पक्का करने का निर्देश दिया है कि उन्हें जल्द से जल्द कड़ी से कड़ी सजा मिले। उन्होंने बताया, इसके अलावा, सभी फील्ड में हमारी महिलाएं जो तरक्की करेंगी, उसी से ऐसे बिगड़े हुए जानवरों की दबंगई वाली सोच खत्म होगी; यह हमें एक पूरी तरह से प्रोग्रेसिव समाज बनने का रास्ता दिखाएगा!

इससे पहले पुलिस ने मंगलवार सुबह तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने इस घिनौनी घटना को अंजाम दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मदुरै की रहने वाली 21 वर्षीय पीड़िता कोयंबटूर के एक निजी कला महाविद्यालय में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह एक निजी छात्रावास में रहती थी और रविवार को ओंदीपुदूर निवासी अपने दोस्त के साथ घूमने गई थी। उन्होंने अपनी कार एयरपोर्ट के पीछे पृथ्वीवन नगर में खड़ी की थी और बातचीत कर रहे थे, तभी रात करीब 11 बजे यह भयावह घटना घटी। तीन अज्ञात लोग उनके पास आए और उन्हें कार से बाहर निकलने को कहा। जब उन्होंने भागने की कोशिश की, तो उन्होंने खिड़की तोड़ दी और उसके दोस्त पर हमला कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गया।

इसके बाद, वे छात्रा को चाकू की नोक पर पास एक घने जंगल में घसीट ले गए और बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया। जब उसके दोस्त को रात लगभग 2 बजे होश आया, तो उसने आपातकालीन हेल्पलाइन पर कॉल करके पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया और पीड़िता लगभग एक किलोमीटर दूर गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली। लड़की का इलाज कोयंबटूर सरकारी अस्पताल में चल रहा है।

कोयंबटूर में कॉलेज छात्रा के यौन उत्पीड़न के मामले में तीन संदिग्ध गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर में कॉलेज की एक छात्रा के यौन उत्पीड़न में शामिल तीन संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि रविवार को कोयंबटूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास हुए इस जघन्य अपराध के लिए जिम्मेदार तीनों लोग पहले भी आपराधिक मामलों में शामिल पाए गए हैं।

सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच के बाद पीलामेडु पुलिस ने वेल्लिकिनारु में एक सुनसान जगह पर छिपे तीनों लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया। खुद को घिरा हुआ पाकर, तीनों ने भागने की कोशिश करते हुए पुलिस टीम पर हमला किया और एक पुलिस कांस्टेबल को घायल कर दिया। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलीबारी की, जिसमें तीन संदिग्ध घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि उनमें से एक व्यक्ति के एक पैर में जबकि अन्य दो व्यक्तियों के दोनों पैर में गोली लगी। उन्होंने कहा कि घायल कांस्टेबल और आरोपियों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा कि संदिग्धों की पहचान गुना, सतीश और कार्तिक के रूप में हुई है, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच जारी है। यौन उत्पीड़न की इस घटना से पूरे राज्य में सनसनी फैल गई और राजनीतिक आक्रोश भड़क उठा। विभिन्न दलों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। अज्ञात बदमाशों ने दो नवंबर की रात 19 वर्षीय छात्रा के पुरुष मित्र पर हमला कर भगा दिया और सुनसान जगह पर कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। घायल होने के बावजूद छात्रा के दोस्त ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से पीड़िता को ढूंढ निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया।

अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेता पनीरसेल्वम के वफादार मनोज पांडियन द्रमुक में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के निष्कासित नेता ओ. पनीरसेल्वम के वफादार और अलंगुलम से विधायक पी. एच. मनोज पांडियन मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की उपस्थिति में सत्तारूढ़ द्रमुक में शामिल हो गए। बाद में, उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु को अपना त्यागपत्र सौंप दिया। इसके साथ ही, उपचुनाव वाले विधानसभा क्षेत्रों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। द्रमुक विधायक के. पोन्नुसामी और अन्नाद्रमुक विधायक टी.के. अमूल कंडासामी के निधन के कारण क्रमशः सेंथमंगलम और वालपराई निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उपचुनाव आवश्यक हो गए हैं।

पांडियन का द्रमुक के प्रति निष्ठा रखने का निर्णय पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम के लिए झटका है, जो निष्कासन के बाद से एकजुट अन्नाद्रमुक की वकालत कर रहे हैं। पेशे से वकील पांडियन पार्टी के राज्य मुख्यालय अन्ना अरिवालयम में पार्टी अध्यक्ष स्टालिन और अन्य नेताओं की उपस्थिति में द्रमुक में शामिल हुए।

पांडियन ने यहां सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, मौजूदा नेतृत्व में अन्नाद्रमुक एडप्पाडी द्रमुक बन गई है। अगले साल चुनाव में इसे बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। पांडियन ने जुलाई 2022 में अन्नाद्रमुक की आम परिषद द्वारा निष्कासन के बाद से पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम का समर्थन किया था। वह 1993 से अन्ना द्रमुक के सदस्य थे और पार्टी के अधिवक्ता विंग के संयुक्त सचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं। वह सांसद भी रह चुके हैं। पांडियन ने द्रमुक में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से कहा, अन्नाद्रमुक ने पार्टी संस्थापक एम जी रामचंद्रन के नियमों और विचारधारा को भुला दिया है। वह तमिलनाडु में भाजपा की एक शाखा की तरह काम कर रही है। केवल द्रमुक ही द्रविड़ आंदोलन के सिद्धांतों और विचारधारा को कायम रख रही है।''

पांडियन (54) ने आरोप लगाया कि अन्नाद्रमुक उस संगठन की तरह नहीं रह गया है जिसे उसके प्रतिष्ठित नेताओं एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता द्वारा चलाया जाता था। गौरतलब है कि जुलाई में वर्तमान नेतृत्व खासतौर से भारतीय जनता पार्टी के साथ उसकी निकटता से नाराज होकर अन्नाद्रमुक के नेता और राज्य के पूर्व मंत्री अनवर राजा द्रमुक में शामिल हो गए थे। मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, पांडियन ने कहा कि द्रमुक नेता ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है। पांडियन के इस कदम से 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले दक्षिणी तमिलनाडु में द्रमुक का प्रभाव ज्यादा मजबूत होने की उम्मीद है।

कन्नूर रेलवे स्टेशन पर व्यक्ति ने आरपीएफ अधिकारी पर हमला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर/भाषा। केरल के कन्नूर रेलवे स्टेशन पर सोमवार रात को एक व्यक्ति ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक अधिकारी पर हमला कर दिया। रेलवे पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी प्लेटफॉर्म पर महिला प्रतीक्षालय के बाहर सो रहा था। पुलिस ने बताया कि बीती रात एक व्यक्ति ने यहाँ एक रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ अधिकारी पर हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि यह घटना सोमवार रात करीब 11 बजकर 45 मिनट पर कन्नूर रेलवे स्टेशन पर हुई, जब ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ अधिकारी ने आरोपी को जगाकर कहा कि वह अपने बैग और फोन का ध्यान रखे, जो उससे थोड़ी दूर रखे थे ताकि वे चोरी न हो जाएं।

कन्नूर रेलवे पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया, हालांकि, बिना किसी उकसावे के आरोपी ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारी पर हमला कर दिया, उसकी वर्दी फाड़ दी और उसका 15,000 रुपये मूल्य का बॉडी कैमरा क्षतिग्रस्त कर दिया।

इसके बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया और भारतीय न्याय संहिता के तहत गंभीर हथियारों या वस्तुओं से चोट पहुंचाने, गलत तरीके से रोकने और अश्लील भाषा का इस्तेमाल करने सहित विभिन्न अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया। आरोपी कासरगोड जिले के उप्पला में अस्थायी रेलवे क्रॉसिंग गेटकीपर के रूप में काम करता है। पुलिस ने बताया कि आरोपी पर सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

तमिलनाडु में मंदिर के जीर्णोद्धार के दौरान सोने के 100 से ज्यादा पुराने सिक्के मिले

तिरुवन्नामलाई। तिरुवन्नामलाई में जाव्वदु पहाड़ियों के पास स्थित एक मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य के दौरान 100 से ज्यादा पुराने सोने के सिक्के मिले हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पड़ोसी कोविलूर में शिवन मंदिर में मुख्य देवता के गर्भगृह के जीर्णोद्धार कार्य के दौरान तीन नवंबर को मिट्टी के एक घड़े से सोने के 103 प्राचीन सिक्के बरामद किए गए। पोलूर पुलिस थाने के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा' को बताया, सोमवार को निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी के घड़े से लगभग 103 सोने के सिक्के मिले। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह मंदिर कई सदियों पुराना है और माना जाता है कि इसे चोल सम्राट राजराजा चोलन तृतीय के समय में बनाया गया था। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग और हिंदू धार्मिक तथा धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया और उन्होंने सिक्कों को अपने अभिरक्षण में ले लिया। इस संबंध में पुलिस ने कोई मामला दर्ज नहीं किया है। अधिकारी ने कहा, सोने के सिक्कों के इतिहास का पता लगाया जाएगा।

करूर त्रासदी के बाद, टीवीके ने भीड़ प्रबंधन के लिए 'थोंडर एनी' लॉन्च किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टीवीके ने अपने इवेंट्स और कैंपेन के दौरान भीड़ को अच्छे से मैनेज करने और लोगों की सुरक्षा पक्की करने के लिए एक नया वॉलंटियर विंग, 'थोंडर अनी' लॉन्च किया है। यह कदम 27 सितंबर को करूर में हुई भगदड़ के बाद उठाया गया है, जिसमें विजय के रोड शो के दौरान 41 लोग मारे गए थे और 60 से अधिक घायल हो गए थे। यह पार्टी की अब तक की सबसे बड़ी राजनीतिक सभाओं में से एक थी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस दुखद घटना ने बड़ी भीड़ को संभालने में सक्षम एक स्ट्रक्चर वालंटियर फोर्स की कमी को उजागर किया, जिसके बाद टीवीके ने डीएमके और एमडीएमके की तर्ज पर थोंडर अनी बनाने का फैसला किया। ये दोनों पार्टियां बड़ी सार्वजनिक सभाओं को संभालने के लिए प्रशिक्षित आंतरिक टीमें रखती हैं।

यह नया विंग सभी बड़े कार्यक्रमों के दौरान भीड़ की आवाजाही की देखरेख करेगा, सुरक्षा घेरा बनाएगा और पुलिस और मेडिकल टीमों के साथ तालमेल बिठाएगा। सात रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों, जिनमें वी.ए. रविकुमार, आईपीएस (एडीजीपी, रिटायर्ड), पी. अशोकान (एएसपी, रिटायर्ड), साबिबुल्ला (पूर्व-डीएसपी), थिल्लैयागम (डीएसपी, रिटायर्ड), आर. शिवलिंगम (डीएसपी, रिटायर्ड), आर. लक्ष्मीनारायणन (डीएसपी, रिटायर्ड), और आर. मथियारासु (डीएसपी, रिटायर्ड) शामिल हैं, ने चुने हुए टीवीके पदाधिकारियों के लिए ट्रेनिंग सेशन आयोजित किए हैं।

ट्रेनिंग में भीड़ की साइकोलॉजी, सार्वजनिक सुरक्षा प्रोटोकॉल, कानून प्रवर्तन के साथ तालमेल और इमरजेंसी-रिस्पॉन्स उपायों को शामिल किया गया। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि यह पहल 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले टीवीके के संगठनात्मक ढांचे को प्रोफेशनल बनाने के विजय के बड़े प्रयास का हिस्सा है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, विजय चाहते हैं कि पार्टी अपनी अनुशासन, संगठन और तैयारी के लिए जानी जाए। थोंडर अनी यह सुनिश्चित करेगा कि हमारे कार्यक्रम जनता के लिए सुरक्षित रहें और साथ ही व्यवस्था और दक्षता भी बनी रहे। थोंडर अनी बनाने के अलावा, टीवीके ने 65 जिला इकाइयों में अपने छात्र, महिला और स्वयंसेवक विंग के लिए पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की है, जो एक बड़े जमीनी स्तर के विस्तार का संकेत है।

रामदास और उनके बेटे अंबुमणि के समर्थकों के बीच हिंसक झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक एस रामदास के समर्थक विधायक आर अरुल के काफिले पर यहां मंगलवार को पार्टी नेता अंबुमणि के समर्थकों ने कथित तौर पर हमला किया। इस दौरान दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके एवं लाठी-डंडों से हमला किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। जब अरुल अपने समर्थकों के साथ वाझापडी क्षेत्र के निकट पहुंचे, तो कुछ लोगों ने उनके वाहनों पर पथराव किया। उसपर विधायक के समर्थकों ने भी जवाबी कार्रवाई की और दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प होने लगी।

मौके पर मौजूद कुछ पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप किया लेकिन उसके बाद भी दोनों गुट के लोग वहां से नहीं गये और एक-दूसरे से झगड़ते रहे। विधायक ने दावा किया कि अगर वह अपनी कार से बाहर निकलते तो उनकी हत्या कर दी जाती।

सेलम के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अरुल ने शिकायत दर्ज कराई है और मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा, ''यह दो गुटों के बीच झड़प थी और हम जांच कर रहे हैं।'' दोनों गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प की एक वीडियो क्लिप भी सोशल मीडिया पर सामने आयी है।

तंबाकू रोधी फोरम ने तमिलनाडु में 'हर्बल' हुक्का बार पर प्रतिबंध न हटाने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'तमिलनाडु पीपुल्स फोरम फॉर टोबैको कंट्रोल' (टीएनपीएफटीसी) ने सरकार से आग्रह किया है कि वह हुक्का बार पर पूर्ण प्रतिबंध न हटाए, जिसमें 'हर्बल' हुक्का परोसने वाले बार भी शामिल हैं।

राज्य सरकार ने 2023 में यह प्रतिबंध लगाया था। मद्रास उच्च न्यायालय के हालिया निर्णयों में कहा गया है कि यदि बार मालिक यह साबित कर सकें कि उनका हुक्का हर्बल' है और उसमें तंबाकू या निकोटिन नहीं मिलाया गया है, तो वे हुक्का परोसना जारी रख सकते हैं।

बहरहाल, फोरम के सदस्यों का कहना है कि प्रवर्तन अधिकारियों के लिए हजारों दुकानों की निरंतर निगरानी करना बेहद कठिन है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर्बल' हुक्का में कोई तंबाकू, निकोटिन या हानिकारक पदार्थ नहीं मिलाया गया है।

टीएनपीएफटीसी के राज्य संयोजक एस सिरिल अलेक्जेंडर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम मद्रास उच्च न्यायालय के हाल के मौखिक निर्देश से बेहद चिंतित हैं, जिसमें राज्य सरकार से तथाकथित 'हर्बल' हुक्का के उपयोग की अनुमति देने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का अनुरोध किया गया है।''

उन्होंने कहा कि हर्बल और तंबाकू हुक्का के बीच कथित अंतर एक मिथक है। उन्होंने कहा, दोनों ही धूम्रपान संस्कृति को बढ़ावा देते हैं और निकोटिन के इस्तेमाल का रास्ता खोलते हैं।

राज्यपाल ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकात्मता विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में राष्ट्रीय एकात्मता : विविधता में एक चेतना विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने संगोष्ठी के अंतर्गत जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र अनेक भाषा, संस्कृति, मतों, परंपराओं से मिलकर बनता है। राष्ट्र की एक सीमा होती है। राष्ट्र में उस देश का नागरिक रहता है। कोई दूसरे देश का नागरिक आता है तो उसे उस देश की नागरिकता लेनी पड़ती है।

संगठित जनसमुदाय, निश्चित भूभाग, संस्कृति, परंपरा, एकता की भावना हमें एक सूत्र में बांधती है। देश के नागरिकों में देश के मूल्यों, आदर्शों, मातृभूमि, समुदाय के प्रति निष्ठा और प्रेम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एकता की भावना सिर्फ बातों में नहीं व्यक्ति के कर्मों में भी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश जब बनता है तब एक देश से दूसरा देश बन जाता है। कारण अलग-अलग होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे विघटन, हमारी गरीबी, हमारे एकसंघ नहीं होने का लाभ उठाकर अंग्रेजों ने देश कर अतिक्रमण कर लिया। वह हमने अंग्रेजों से वापस लिया।

भारत से अनेक देश बने अफगानिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान और बांग्लादेश। एक राष्ट्र विकसित बनता है जब नागरिक एकजुट होकर देशप्रेम के साथ अपना सर्वस्व अर्पण करते हैं। नागरिक अपनी शक्ति, बुद्धि, त्याग, आर्थिक स्वावलंबन से देश को विकसित बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से हैं। पहले गांव में कच्चे मकान होते थे जो अब पक्के बन गए हैं क्योंकि लोगों के पास पैसा आया है। देश की अर्थव्यवस्था का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि रामायण और महाभारत हमारी संस्कृति का मूल है। राम का नाम सभी भाषाओं में है। भजन - कीर्तन, व्याख्यान, भाषण, शिक्षण अलग-अलग भाषाओं में होता है मगर देवधर्म सबका एक ही है। एक ही गणेशजी की आरती अनेक भाषाओं में होती है मगर सबका भाव एक ही होता है। अनेक भाषा, खान-पान, वेशभूषा अलग-अलग होने के बावजूद हम सब एक हैं। हमारी संस्कृति ' भाषा अनेक - भाव एक', ' पथ अनेक - गंतव्य एक' की है।

आगामी दिनों में तापमान गिरने का अनुमान

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान में आगामी दिनों में मौसम शुष्क रहने व तापमान में गिरावट आने का अनुमान व्यक्त किया है।

विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकतर भागों में पांच नवंबर से आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की पूरी संभावना है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, आज वायुमंडल के ऊपरी स्तरों में पश्चिमी विक्षोभ के रूप में उत्तरी पाकिस्तान व आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है तथा एक और परिसंचरण तंत्र हरियाणा व आसपास के क्षेत्र के ऊपर स्थित है।

वहीं पिछले 24 घंटों में उदयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, जयपुर संभाग के कुछ भागों में बादलों की गरज के साथ हल्की मध्यम बारिश दर्ज हुई। सर्वाधिक बारिश देवली, टोंक में 55 मिलीमीटर दर्ज की गई।

बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ अभियान के तहत आज होगी 'नारी चौपाल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार सक्षम जयपुर अभियान एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जयपुर जिले के प्रत्येक उपखंड पर नारी चौपाल आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में 6 नवंबर को चौमूं के हाड़ौता स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में चौपाल होगी। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने नारी चौपाल के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं एवं आयोजन में अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किये हैं।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं प्रशिक्षु आईएएस मृणाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त एवं जागरूक बनाना है। नारी चौपाल में महिलाओं को सरकार की योजनाओं, अधिकारों और कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी, साथ ही उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना जाएगा। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि मंगलवार को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक चलने वाली चौपाल में नुक्कड़ नाटक, मारवाड़ी गीत, आत्मरक्षा प्रशिक्षण सहित अन्य गतिविधियां आकर्षण का केन्द्र रहेंगी।

नारी चौपाल के माध्यम से समाज में लिंगानुपात सुधार, महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने, तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया जाएगा। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं, नियमों और अधिनियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि समतामूलक समाज का निर्माण हो सके।

नारी चौपाल कार्यक्रमों में महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। ये अधिकारी महिलाओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को प्रेरित करने के लिए सफलता की कहानियाँ और अनुभव भी साझा किए जाएंगे। साथ ही चौपाल स्थल पर योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सहायता काउंटर भी लगाए जाएंगे, ताकि महिलाओं को मौके पर ही आवश्यक जानकारी और सहयोग मिल सके।

नारी चौपाल महिलाओं के लिए केवल संवाद का मंच नहीं होगा, बल्कि यह उन्हें आत्मविश्वास, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने का अवसर भी प्रदान करेगा। इससे महिलाओं तक सरकार की योजनाएं अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचेंगी और समाज में उनकी भागीदारी और अधिक मजबूत होगी। नारी चौपाल श्रृंखला से जिले की हजारों महिलाओं को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव सिद्ध होगी।

'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण

देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत, उत्सव के रूप में हो आयोजन मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 7 नवम्बर से पूरे प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में संबंधित विभागों, संभागीय आयुक्तों एवं जिला कलेक्टरों के साथ उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने उक्त बैठक में निर्देश दिए कि 'वंदे मातरम्150' कार्यक्रम देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत उत्सव के रूप में मनाया जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना विकसित करने का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के साथ-साथ जिलों में होने वाले आयोजनों का सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा कार्यक्रम स्थलों पर सेल्फी बूथ भी स्थापित किए जाएं। उन्होंने डीओआईटी विभाग को निर्देश दिए कि कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण एवं अन्य तकनीकी तैयारियाँ समय पर पूर्ण की जाएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार 'वंदे मातरम्150' के सभी कार्यक्रमों को देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत किया जाए तथा इसमें स्थानीय कलाकारों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे अपनी रचनात्मक सोच से आमजन की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करें और सभी तैयारियाँ समय पर पूरी करें।

उल्लेखनीय है कि 'वंदे मातरम्150' राज्य स्तरीय कार्यक्रम 7 नवम्बर को जयपुर के एस.एम.एस. स्टेडियम में आयोजित होगा। इस अवसर पर सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी एवं मेडिकल कॉलेज, एनसीसी, एनएसएस, हिंदुस्तान स्काउट गाइड, पुलिस एवं आरएसी के जवान, सामाजिक संगठन और आमजन की भागीदारी रहेगी। इसी दिन अजमेर, बीकानेर, उदयपुर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर, सीकर, भीलवाड़ा और अलवर में जिला स्तर पर कार्यक्रम होंगे। इसके बाद 8 एवं 9 नवम्बर को शेष 31 जिलों में प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में आयोजित किए जायेगे।

सभी सरकारी कार्यालयों में 10 नवम्बर को 'वंदे मातरम्150' एवं स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम, नगर निकाय कार्यालयों में 11 नवम्बर, पंचायती राज संस्थानों में 12 नवम्बर, सभी स्कूलों व छात्रावासों में 13 नवम्बर, उच्च शिक्षा संस्थानों में 14 नवम्बर और अस्पतालों व पुलिस थानों में 15 नवम्बर को कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 7 नवम्बर से 26 नवम्बर (संविधान दिवस) तक सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 'वंदे मातरम' का सामूहिक वाचन किया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए सावंत, प्रमुख शासन सचिव पर्यटन राजेश कुमार यादव, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग श्रीमती गायत्री ए. राठौड़, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन विभाग डॉ. देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव डीओआईटी डॉ. रवि कुमार सुरपुर, सचिव सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सन्देश नायक सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे तथा संभागीय आयुक्त एवं जिला कलेक्टर वीसी से जुड़े।

सरकार 15 दिन का सड़क सुरक्षा अभियान चलाएगी

जयपुर। राजस्थाना के फलोदी और जयपुर में लगातार दो भीषण सड़क हादसों में कम से कम 29 लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार से 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यातायात नियमों की पालन सुनिश्चित करवाने के साथ ही दुर्घटनाओं में जनहानि को रोकने के लिए सभी संबंधित विभाग मिलकर काम करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि समय पर कार्रवाई नहीं करने वाले विभागीय अधिकारियों, कार्मिकों के खिलाफ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत कार्रवाई होगी। शर्मा ने सोमवार देर रात यातायात एवं सड़क सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने मंगलवार (चार नवंबर) से सड़क सुरक्षा अभियान चलाने का निर्देश दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठक नहीं लेने वाले जिलाधिकारियों से जवाब लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारी वाहन लाइसेंस नवीनीकरण के समय प्रस्तुत की जाने वाली आंखों की जांच रिपोर्ट गलत पाए जाने पर उसे जारी करने वाले संबंधित डॉक्टर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने परिवहन और पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि शराब पीकर वाहन चलाने और 'ओवरस्पीड' के मामले में बार-बार चालान होने पर वाहन चालक का लाइसेंस निरस्त किया जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत प्रदेश में चिह्नित 'ब्लैक स्पॉट' को शीघ्र ठीक करवाने एवं राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों पर अवैध कट को शीघ्र बंद करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया।

मुख्य सचिव ने दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली मोबाइल व इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड अभियान की राज्य स्तरीय ब्रॉडबैंड समिति की 15वीं बैठक मंगलवार को सचिवालय में हुई। मुख्य सचिव ने बैठक में राज्य स्तर पर टेलीकम्युनिकेशन परियोजनाओं में समयबद्धता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए टेलीकम्युनिकेशंस राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) नियम, कॉल बिफोर यू डिग (सीबीयूडी) मोबाइल ऐप, पीएम गतिशक्ति एनएमपी पोर्टल, बीएसएनएल 4जी सेचुरेशन प्रोजेक्ट सहित अन्य संबंधित विषयों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को विभागीय स्तर पर भूमि आवंटन एवं वन विभाग की मंजूरी के लंबित प्रकरणों सहित अन्य आवश्यक कार्य आपसी समन्वय से पूर्ण करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जिससे राज्य के दूरदराज क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली मोबाइल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हो और ग्रामीण इलाकों में भी तेज और विश्वसनीय इंटरनेट सेवा उपलब्ध हो सके।

मुख्य सचिव ने कहा कि झकॉल बिफोर यू डिगञ मोबाइल ऐप खुदाई कार्यों के दौरान भूमिगत अवसंरचना को क्षति से बचाने के साथ-साथ संचार सेवाओं में व्यवधान को रोकने में सहायक है। इससे प्रदेश में स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्य सचिव ने कहा कि ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाने के दौरान जिन स्थानों पर गड्ढे खोदे गए हैं, उन्हें कार्य पूर्ण होने के बाद सही तरीके से भरना सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना का सामना न करना पड़े। संबंधित अधिकारी कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें और सड़कों तथा मार्गों को पूर्ववत स्थिति में बहाल करें।

उल्लेखनीय है कि संचार साथी पोर्टल नागरिकों को अनेक डिजिटल सुविधाएँ प्रदान करता है जिसमें टेफकॉप सेवा के माध्यम से उपयोगकर्ता उनके नाम पर कुल जारी मोबाइल कनेक्शन की जानकारी तथा बिना अनुमति अतिरिक्त सिम कार्ड जारी होने की स्थिति में रिपोर्ट कर आसानी से उसे बंद करवा सकते हैं। इसके साथ ही, नो योअर मोबाइल (केवाईएम) सुविधा, फर्जी मोबाइल और सिम कार्ड की रोकथाम, जन-जागरूकता और शिकायत निवारण आदि महत्वपूर्ण सेवाएँ भी उपलब्ध हैं। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव, ऊर्जा विभाग, अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव, उद्योग आलोक गुप्ता प्रमुख शासन सचिव, राजस्व दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास, डॉ. देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव, डीओआईटीडॉ. रवि कुमार सुरपुर, डीडीजी (रूरल), दूरसंचार विभाग, केन्द्र सरकार आनंद कटोच सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

भजनलाल ने देवनानी की पत्नी को श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के अजमेर स्थित निवास पर पहुंचकर उनकी धर्मपत्नी स्व. इन्दिरा देवनानी की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

शर्मा ने देवनानी व परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजस्थान में करीब 42 लाख अपात्रों ने छोड़ी खाद्य सुरक्षा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार खाद्य सुरक्षा से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सामाजिक न्याय और पारदर्शिता को साकार करने की दिशा में अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज की है। प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत लगभग 4.46 करोड़ लाभार्थियों की सीमा निर्धारित है। यह सीमा पूर्ण हो जाने के कारण नए पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाग ने यह सुनिश्चित किया कि पात्र हकदारों को खाद्य सुरक्षा का अधिकार मिले। इसी दिशा में अपात्र लाभार्थियों को सूची से हटाने और नए पात्र लोगों को जोड़ने का व्यापक कार्य किया गया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ गिव अप अभियान इस ऐतिहासिक उपलब्धि में प्रमुख रूप से सहायक सिद्ध हुआ है। 1 नवम्बर 2024 को आरंभ हुए इस अभियान का उद्देश्य अपात्र लाभार्थियों को सूची से बाहर कर पात्र वंचितों को लाभ दिलाना था। प्रदेशभर में 41.95 लाख से अधिक अपात्र लोगों द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया गया।

जयपुर में डंपर हादसा

आपको हमारी उम्र लग जाए लिखकर किरोड़ीलाल को दी शुभकामनाएं, 5 घंटे बाद मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा जी... आपके जन्मदिन पर इतना ही कहेंगे कि आपको हमारी उम्र लग जाए, बाबा किरोड़ी लाल मीणा को हार्दिक शुभकामनाएं, आप स्वस्थ रहो। 3 नवंबर की सुबह 7:41 बजे मुरली उर्फ महेश ने फेसबुक पर डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की तस्वीर के साथ यह पोस्ट की। यह उसकी आखिरी पोस्ट बन गई। इसके करीब 5 घंटे बाद मुरली यह दुनिया छोड़ गए। कैबिनेट मंत्री के लिए लंबी उम्र की दुआ मांग रहे मुरली उर्फ महेश मीणा और उसके दोस्त सुरेश मीणा की सोमवार दोपहर जयपुर के हरमाड़ा में हुए भीषण सड़क हादसे में डंपर ने जान ले ली। जयपुर में तेज रफ्तार डंपर ने एक के बाद एक 17 गाड़ियों को कुचल दिया। हादसे में 14 लोगों की जान चली गई। इसमें मुरली भी शामिल हैं।

मुरली मीणा (35) पुत्र धन्नालाल मीणा और सुरेश मीणा (32) पुत्र बद्रीलाल मीणा दोनों गहरे दोस्त थे। निवाई में ग्राम पंचायत तुर्किया के राजधीराजपुरा गांव में दोनों के घर भी आमने सामने हैं। दोनों जयपुर में हलवाई का काम करते थे। 3 दिन पहले ही बाइक से हलवाई का काम करने सीकर गए थे। वहां से सोमवार सुबह बाइक पर गांव आ रहे थे।

कल (सोमवार 3 नवंबर) दोपहर को लौटते समय जयपुर के हरमाड़ा में तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।जैसे ही दोनों दोस्तों के शव घर आए तो परिजन बेसुध हो गए। गमगीन माहौल में दोनों दोस्तों का अंतिम संस्कार किया गया।दोनों क्रिकेट के शौकीन थे : सुरेश मीणा के 8 वर्ष का बेटा और 11 वर्ष की बेटी है। मुरली उर्फ महेश मीणा के दो बेटे हैं, जिनकी उम्र क्रमश: 5 और 7 साल है।दोनों क्रिकेट के अच्छे खिलाड़ी थे। दोनों कॉम्पटीशन में साथ ही खेलते थे। गांव में होने वाली हर खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेते थे।ग्राम पंचायत तुर्किया के सरपंच नितेश मीणा ने बताया- दोनों युवक मेहनती, मिलनसार और हमारे प्रिय थे। जैसे ही जयपुर पुलिस से यह दुखद सूचना गांव पहुंची तो यहां मातम पसर गया।

अंता सीट पर चुनाव जनबल और धनबल के बीचः वसुंधरा राजे

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने मंगलवार को कहा कि अंता विधानसभा सीट पर हो रहा उपचुनाव ''जनबल'' और ''धनबल'' के बीच है और ''जनबल हमारे (भाजपा) साथ है।'' राजे बारां में मीडिया से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''अंता का यह उपचुनाव जनबल और धनबल के बीच है। एक तरफ जनबल मतलब जनता की ताकत है, तो दूसरी तरफ धनबल अर्थात पैसों की ताकत है।'' उन्होंने कहा, ''जनबल हमारे साथ है। इसलिए तय मानिये जनबल जीतेगा और धनबल हारेगा।''

उल्लेखनीय है कि अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी। राजस्थान में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए मोरपाल सुमन को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं कांग्रेस की ओर से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन चुनाव मैदान में हैं। यह सीट भारतीय जनता पार्टी के विधायक कंवरलाल मीणा को अयोग्य घोषित किए जाने के कारण खाली हुई थी।

राजे ने कहा कि यहां की मांग के अनुरूप ही भाजपा ने मोरपाल सुमन को उम्मीदवार बनाया है जो पूरी तरह स्थानीय हैं। उन्होंने कहा कि ये चुनाव मोरपाल नहीं बल्कि अंता की जनता लड़ रही है।

जुबिन गर्ग के लिए न्याय की मांग को लेकर गुवाहाटी में सैकड़ों लोगों ने मार्च निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। सिंगापुर में गायक जुबिन गर्ग की मौत के बाद उनके लिए न्याय की मांग करते हुए सैकड़ों लोगों ने मंगलवार को गुवाहाटी में मार्च निकाला। असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद (एजेवाईसीपी) द्वारा आयोजित विरोध मार्च में 25 अन्य स्थानीय तथा छात्र संगठनों ने भाग लिया।

मार्च यहां खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान से शुरू हुआ। एजेवाईसीपी के अध्यक्ष पलाश चांगमई ने कहा, ''जुबिन गर्ग की मौत के 47 दिन बीत जाने के बाद भी हमें ये नहीं पता कि उनकी मृत्यु कैसे हुई। एसआईटी (विशेष जांच दल) का कहना है कि मामले की जांच जारी है, लेकिन मुख्यमंत्री का कहना है कि गर्ग की हत्या हुई है। एसआईटी तथ्यों का खुलासा करने के लिए संवाददाता सम्मेलन क्यों नहीं कर रही है।'' उन्होंने प्राधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे जरूरी जानकारी छिपा रहे हैं, जबकि लोग स्पष्ट जवाब मांग रहे हैं।

चांगमई ने सरकार से पारदर्शी और सख्त जांच सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि असली दोषियों को सजा दिलाई जा सके। उन्होंने कहा कि अगर सरकार जल्द ही मामले से संबंधित संतोषजनक जानकारी उपलब्ध नहीं कराती है, तो एजेवाईसीपी द्वारा राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा। प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग की सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय 19 सितंबर को मौत हो गई थी। वह पूर्वोत्तर भारत महोत्सव (एनईआईएफ) के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए दक्षिण-पूर्व एशियाई देश गए थे। जुबिन की मौत को लेकर पूरे असम में 60 से अधिक प्राथमिकी दर्ज होने के बाद राज्य पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के तहत एक विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच कर रहा है।

शुभेंदु ने भाजपा की रैली की अगुवाई की, बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को यहां बाहरी इलाके में भाजपा की एक रैली का नेतृत्व किया और मांग की कि हर बांग्लादेशी घुसपैठिए को देश से बाहर निकाला जाए तथा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरी तरह से किया जाए।

'परिवर्तन यात्रा' नामक इस रैली ने पानीहाटी विधानसभा क्षेत्र में सोदपुर ट्रैफिक मोड़ से बीटी रोड के साथ अगरपाड़ा तेंतुलतला मोड़ तक दो किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान हाथों में तख्तियां लिये हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की निंदा करते हुए नारे लगाए। अधिकारी ने कहा कि पिछले सप्ताह अगरपाड़ा में एक व्यक्ति की हुई दुखद मौत का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) या राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लेकर डर से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि उसने तो 2002 में मतदान किया था और उसका नाम उस वर्ष की मतदाता सूची में था। विपक्ष के नेता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए उसकी मौत को 'एसआईआर' कवायद से गलत तरीके से जोड़ रही है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की कोशिश करने की तृणमूल कांग्रेस को चुनौती देते हुए अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, ''जिनके माता-पिता के पास भारत में आवासीय, जन्म प्रमाण पत्र हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। तृणमूल कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही है।'' उन्होंने 'एसआईआर' के प्रति तृणमूल के विरोध को 'असंवैधानिक' बताते हुए कहा कि उसे डर है कि एसआईआर से अवैध मतदाताओं का पता चलने के बाद मतदाता सूची से उनके नाम हटाये जाने तथा ऐसे अवैध मतदाताओं को हिरासत में लेकर देश से बाहर भेजे जाने के बाद उसका बहुत बड़ा मतदाता वर्ग हाथ से निकल जायेगा।' उन्होंने बंगाल में 'परिवर्तन' का आह्वान करते हुए कहा, ''एसआईआर कम से कम आठ बार किया जा चुका है और यह देश हित एवं इसकी अखंडता और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवश्यक था। तृणमूल अचानक इस मुद्दे पर क्यों जाग गई है और इस प्रक्रिया को पटरी से उतारने की कोशिश कर रही है? लोगों ने उसके खेल को समझ लिया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पक्षपातपूर्ण पुलिस और प्रशासन ने रैली को रोकने की कोशिश की, लेकिन कलकत्ता उच्च न्यायालय ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। उन्होंने कहा, ''पिछले मौकों की तरह, उन्होंने हमारी आवाज दबाने की कोशिश की, लेकिन न्यायपालिका ने फिर से सुनिश्चित किया कि हमारे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन न हो।''

12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का एसआईआर शुरू, तृणमूल ने 'धोखाधड़ी' बताया

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने मंगलवार को नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया। तृणमूल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग को पक्षपाती करार देते हुए एसआईआर को ''धोखाधड़ी'' बताया। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक और उसके सहयोगी दल भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं।

आयोग ने कहा कि उसके मतदान केंद्र अधिकारियों ने मतदाताओं को फॉर्म सौंपना शुरू कर दिया है और वे फार्म भरने में मदद भी करेंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, एसआईआर गणना चरण से शुरू होगा और चार दिसंबर तक चलेगा। आयोग नौ दिसंबर को मसौदा मतदाता सूची जारी करेगा और अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। दूसरे चरण में जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर किया जाएगा, उनमें अंडमान निकोबारद्वीपसमूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और प. बंगाल शामिल हैं। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होंगे। असम में भर 2026 में चुनाव होने हैं, लेकिन वहां मतदाता सूची में संशोधन की घोषणा अलग की जाएगी क्योंकि राज्य में नागरिकता सत्यापित करने के लिए उच्चतम न्यायालय की निगरानी में कवायद चल रही है।

बिहार में राजग के विकास कार्य हैं 'हीरा', राजद 'रंगदारी' का प्रतीकः नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तहत हुए विकास को 'हीरा' (एचआईआरए) करार देते हुए मंगलवार को कहा कि राज्य ने राजग शासन में सड़क, रेल, हवाई और इंटरनेट कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

भोजपुर जिले में पहले चरण के मतदान से पहले प्रचार के अंतिम दिन आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, ''बिहार ने भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के शासन में हीरा (एचआईआरए) खोज लिया है 'एच' का अर्थ है हाईवे (सड़कें), 'आई' का अर्थ इंटरनेट, ' आर ' का अर्थ रेलवे और 'ए' का अर्थ एयरपोर्ट।'' उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में इन सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और जनता स्वयं इसकी गवाह है। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) 'रंगदारी', 'जंगलराज' और 'दादागीरी' का प्रतीक है। उन्होंने कहा, लोगों को याद होगा जब राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने अपने चरम राजनीतिक दौर में 'लाठी तेल पिलावन' रैली निकाली थी। वह एक स्पष्ट संकेत था कि उनके विरोधियों को घर में ही रहना बेहतर होगा। अब वही पार्टी नए कपड़ों में पुरानी सोच के साथ फिर जनता को बहकाने की कोशिश कर रही है। नड्डा ने मतदाताओं से अपील की कि वे राजग को आशीर्वाद दें और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व को बरकरार रखें। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार तेजी से गरीबी उन्मूलन के लिए काम कर रही है और केवल बिहार में ही तीन करोड़ से अधिक लोगों को अभाव की स्थिति से बाहर निकाला गया है। उन्होंने बताया कि केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं से जरूरतमंदों को लगातार सहायता मिल रही है। नड्डा का कहना था, बिहार में आठ करोड़ से अधिक लोग मुफ्त राशन योजना का लाभ ले रहे हैं, जबकि लगभग दो करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए गए हैं।'' उन्होंने बाद मध्य बिहार के धार्मिक नगर गया जी में एक रोड शो भी किया। गया जी भाजपा का पारंपरिक गढ़ माना जाता है। उनके साथ राज्य सरकार में मंत्री प्रेम कुमार मौजूद थे, जो गया शहर सीट से लगातार आठवीं बार चुनाव जीतने की कोशिश में हैं। रोड शो में बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक शामिल हुए, जो हल्की बारिश के बीच छाते लेकर चल रहे थे। यह रोड शो उस समय समाप्त हुआ जब पहले चरण के चुनाव प्रचार की समय सीमा समाप्त होने में मात्र आधा घंटा शेष था।

एसआईटी जांच में 100 करोड़ रु. की संपत्ति का खुलासा होने पर पुलिस उपाधीक्षक निलंबित

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर में पूर्व में तैनात रहे पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) ऋषिकांत शुक्ला को एसआईटी जांच में लगभग 100 करोड़ रुपए की अघोषित संपत्ति कथित तौर पर होने के खुलासे के बाद सतर्कता जांच शुरू होने पर निलंबित कर दिया गया है। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। शुक्ला वर्तमान में मैनपुरी जिले में पुलिस क्षेत्राधिकारी (भोगांव) के पद पर कार्यरत हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्ला को सोमवार को निलंबित कर दिया गया। एसआईटी की तफ्तीश में शुक्ला के पैन कार्ड से संबंधित12 संपत्तियों का पता लगा है जिनकी कीमत लगभग 92 करोड़ रुपए आंकी गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, कुछ बेनामी संपत्तियों के बारे में भी जानकारी मिली है और इसे भी जोड़ें तो उसकी कुल संपत्ति 100 करोड़ रुपए से अधिक हो जाती है।

मणिपुर के चुराचांदपुर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में चार उग्रवादी ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/चुराचांदपुर/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में मंगलवार सुबह मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने एक प्रतिबंधित संगठन के कम से कम चार उग्रवादियों को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के हथियारबंद सदस्यों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर जिले के हेंगलेप उप-मंडल के अंतर्गत खानपी गांव में सुबह लगभग साढ़े पांच बजे एक अभियान शुरू किया गया।

यूकेएनए मणिपुर में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से केंद्र, राज्य सरकार और कुकी और जोमी उग्रवादी समूहों के बीच हुए समझौते का हिस्सा नहीं है। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान सेना के जवानों और उग्रवादियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। अधिकारी ने कहा, ''मुठभेड़ के दौरान कम से कम चार उग्रवादी मारे गए जबकि कई अन्य मौके से भाग गए।'' उन्होंने बताया कि मारे गए उग्रवादियों की पहचान एलेक्स जम्मुआनलाल सिमटे, थांगमिनलाल हाओकिप, गिनलेनजॉन हाओकिप और थांगलेनलाल किपगेन के रूप में हुई है। रक्षा विभाग के एक बयान में भी कहा गया है कि चार नवंबर की सुबह उग्रवादियों ने चुराचांदपुर से लगभग 80 किलोमीटर पश्चिम में खानपी गांव में एक खुफिया-आधारित अभियान के दौरान सेना की टुकड़ी पर बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की। बयान में कहा है कि सुरक्षा बलों और यूकेएनए के हथियारबंद सदस्यों के बीच हुई गोलीबारी में ''प्रतिबंधित समूह के चार काडर को मार गिराया गया''।

यदि बंगाल में एक भी पात्र मतदाता को सूची से हटाया गया तो भाजपा सरकार गिर जाएगी : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि यदि मतदाता सूचियों से एक भी पात्र मतदाता को हटाया गया तो केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार का गिर जाना तय है । उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग (ईसी) पर 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को डराने-धमकाने के लिए एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) को राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।

यहां एक विशाल एसआईआर विरोधी रैली का नेतृत्व करते हुए, ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाया कि वह भाजपा शासित राज्यों को छोड़ दे रहा है जबकि विपक्ष शासित राज्यों में चुनिंदा रूप से पुनरीक्षण अभियान चला रहा है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, ''निर्वाचन आयोग केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एसआईआर चला रहा है, लेकिन भाजपा शासित असम में (वह) ऐसा नहीं कर रहा है।'' इन चार राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

ममता बनर्जी ने मांग की, निर्वाचन आयोग को यह भी जवाब देना चाहिए कि भाजपा शासित असम, त्रिपुरा और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में एसआईआर क्यों नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने इसे केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की मदद करने के उद्देश्य से किया गया स्पष्ट भेदभाव' बताया।

नीतीश सत्ता से जा रहे हैं, तेजस्वी आ रहे हैं : अशोक गहलोत

पटना/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने मंगलवार को दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव के माहौल को देखकर स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सत्ता से जा रहे हैं और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव आ रहे हैं। गहलोत ने यहां संवाददाता सम्मेलन में यह भी दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बीच महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपए भेजे जा रहे हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग कार्रवाई करने का साहस नहीं कर पा रहा है। गहलोत ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा चुनाव को युद्ध की तरह लड़ते हैं, जो लोकतंत्र में उचित नहीं है क्योंकि युद्ध में हिंसा होती है। उन्होंने कहा, ''बिहार में चुनावी माहौल को देखकर लग रहा है कि नीतीश कुमार जी सत्ता से जा रहे हैं और तेजस्वी यादव जी आ रहे हैं।'' राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा, ''चुनाव की घोषणा के साथ आचार संहिता लागू हो जाती है, इसमें कोई भी योजना लागू नहीं हो सकती है। मगर बिहार में चुनाव के दौरान भी महिलाओं के खाते में पैसे डाले जाएंगे। ये सब देखने के बाद भी निर्वाचन आयोग कार्रवाई करने का साहस नहीं कर पा रहा है।''

शांतिपूर्ण, समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए गुरु नानक के आदर्शों को आत्मसात करें : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरु नानक देव की जयंती की पूर्व संध्या पर मंगलवार को देशवासियों को बधाई दी और सभी से अधिक शांतिपूर्ण एवं समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा, ''यह अवसर हमें गुरु नानक देव जी के आदर्शों और मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है और एक बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में हमारा मार्गदर्शन करता है। उनका संदेश हमें सिखाता है कि सत्य, न्याय और करुणा पर आधारित जीवन जीना ही सफलता का सच्चा मापदंड है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी शिक्षाएं एक ईश्वर और मानव समानता पर जोर देती हैं।

मुर्मू ने कहा, ''वह हमें ईमानदारी से जीने और संसाधनों को एक-दूसरे के साथ साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर आइए हम गुरु नानक देव जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा अधिक शांतिपूर्ण एवं समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए उनके दिखाए मार्ग पर चलें।'' राष्ट्रपति ने ''गुरु नानक जयंती के पावन अवसर पर'' भारत और विदेशों में रहने वाले सभी भारतीयों विशेषकर सिख भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

घाटशिला उपचुनाव के नतीजे दिखाएंगे की झारखंड की जनता बदलाव चाहती है : माझी

घाटशिला/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दावा किया कि झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा की जीत होगी। उन्होंने दावा किया कि नतीजे राज्य में लोगों की बदलाव की इच्छा को दर्शाएंगे। माझी ने भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन के समर्थन में दामपाड़ा में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि विधानसभा चुनाव के एक साल के भीतर ही झारखंड में लोगों का सरकार से मोहभंग हो गया है और वे बदलाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''यह वर्तमान सरकार के खराब प्रदर्शन को दर्शाता है। घाटशिला उपचुनाव में भाजपा की जीत लोगों की बदलाव की इच्छा को प्रदर्शित करेगी।'' माझी ने जनसभा को अधिकतर संथाली भाषा में संबोधित किया। उन्होंने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार की पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम (पेसा) को लागू करने में विफल रहने के लिए आलोचना की। पेसा देश के अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समुदायों को स्वशासन प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने कहा, यहां की सरकार आदिवासियों के हितों की वकालत करने का दावा करती है, जबकि छह साल से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बाद भी वह पेसा कानून को लागू करने में विफल रही है।

मेरा काम 'फिनिशिंग टच' देना है : रिचा घोष

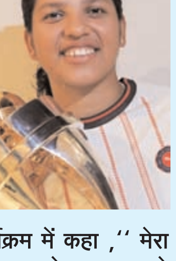

मुंबई/भाषा। विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने कहा है कि भारत की विश्व कप विजेता टीम विश्वास और अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता की नींव पर बनी है जिसमे कोच अमोल मजूमदार ने उन्हें 'फिनिशर' की भूमिका सौंपी है। दो बार फाइनल में हारी भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार विश्व कप जीता ।

रिचा ने जियो स्टार के 'फॉलो द ब्लू' कार्यक्रम में कहा ,'' मेरा मुख्य काम मैच में आखिर तक टिककर तेजी से रन बनाने का था । मुझे जब भी बल्लेबाजी का मौका मिला तो मैने यही करने की कोशिश की । मैने स्ट्राइक रेट ऊंचा रखकर विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास किया ।'' उन्होंने कहा ,'' ये अतिरिक्त रन बनाने से टीम का दबाव कम हुआ और हमें जीतने का बेहतर मौका मिला ।'' उन्होंने कोच अमोल मजूमदार की भी तारीफ की जिन्होंने ऐसा माहौल तैयार किया कि हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका के बारे में पता था । रिचा ने कहा ,'' अमोल सर ने टीम में सभी की भूमिका स्पष्ट कर दी थी । मेरा काम बेखौफ क्रिकेट खेलना, बड़े शॉट लगाना और अंत तक डटे रहना था । मैने विश्व कप से पहले क्रीज पर टिककर बड़ी पारी खेलने का काफी अभ्यास किया । जब भी खेलने का मौका मिला तो मैने जमीनी शॉट लगाये और विकेट फेंकने से बचती रही । मैने एक दो रन लेने के मौके भी नहीं गंवाये ।'' रिचा ने आठ पारियों में 133 . 52 की स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाये । इसके साथ ही उन्होंने महिला विश्व कप में सर्वाधिक छक्कों के वेस्टइंडीज के डिएंड्रा डोटिन (12) के रिकॉर्ड की भी बराबरी की।

असम के तिनसुकिया में स्कूल से लौट रही लड़की से सामूहिक बलात्कार

तिनसुकिया/भाषा। असम के तिनसुकिया जिले में स्कूल से घर लौट रही एक लड़की से कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार दोपहर बोर्डुबी थाना क्षेत्र में हुई। अधिकारी ने बताया कि लड़की के बयान के अनुसार, स्कूल से घर लौटते समय तीन लोगों ने उससे सामूहिक बलात्कार किया और उसे सड़क किनारे फेंक दिया। पुलिस ने उसके परिवार के हवाले से बताया कि कक्षा सात की छात्रा स्कूल के बाद घर नहीं लौटी, जबकि स्कूल दोपहर 2.30 बजे बंद हो गया था। अधिकारी ने कहा, ''शाम करीब पांच बजे, एक ई-रिक्शा चालक ने परिवार को सूचित किया कि उसने उसे एक चाय बागान के पास सड़क किनारे अर्ध-बेहोशी की हालत में पड़ा देखा है। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे चोटों के निशान और फटे हुए कपड़े के साथ पाया।'' पुलिस की एक टीम तुरंत मौके के लिए रवाना की गई और लड़की को अस्पताल भेजा गया। अधिकारी ने कहा, ''हम मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच हमने अपराधियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।''

ओसामा शहाब की जीत 'हिंदुओं की हार' होगी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीवान/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि यदि बिहार के सीवान जिले की रघुनाथपुर विधानसभा सीट से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रत्याशी ओसामा शहाब जीतते हैं तो यह ''हिंदुओं की हार'' होगी। उन्होंने यह भी कहा कि दिवंगत बाहुबली नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा का नाम ओसमा बिन लादेन के नाम से मिलता है।

शर्मा यहां रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी सभा में कहा, ''जब मैं रघुनाथपुर आ रहा था तो मुझे लगा कि यह वह भूमि है जो भगवान राम और माता सीता की स्मृति जुड़ी है। लेकिन यहां आकर पता चला कि इस क्षेत्र में एक 'ओसामा' भी हैं इनके पिता शहाबुद्दीन ने हत्याओं का रिकॉर्ड बनाया था। संभव है कि यह बचपन में खिलौनों से नहीं बल्कि एके-47 से खेला हो। उन्होंने दावा किया, अगर ऐसा 'ओसामा' रघुनाथपुर से जीतता है तो यह हिंदुओं की हार होगी।''

भाजपा नेता का कहना था, ''मैं 14 नवंबर को असम के कामाख्या मंदिर के द्वार पर बैठकर इस सीट के नतीजे देखूंगा। मुझे भरोसा है कि आप लोग ओसामा को उसी तरह पराजित करेंगे जैसे आपने लोकसभा चुनाव में उनकी मां हीना शहाब को हराया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शर्मा ने कहा कि वह एक ऐसे राज्य के मुख्यमंत्री हैं जहां 40 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है और उनमें से बड़ी संख्या घुसपैठियों की है। उन्होंने इसके लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया, जिससे उन्होंने करीब एक दशक पहले नाता तोड़ा था। उन्होंने कहा, जब मैं मुख्यमंत्री बना तो मुझे बताया गया कि घुसपैठिए एक लाख एकड़ भूमि पर कब्जा किए हुए हैं। मुझे गर्व है कि मैंने 50 हजार एकड़ जमीन मुक्त कराई। ये घुसपैठिए हमारी महिलाओं के लिए भी खतरा हैं। कांग्रेस सरकार मदरसों के शिक्षकों के वेतन का खर्च उठा रही थी, मैंने इसे बंद कर दिया। सरकार का काम डॉक्टर और इंजीनियर तैयार करना है, मुल्ला नहीं।

शर्मा ने आगे कहा, इस महीने के अंत तक मैं एक ऐसा कानून लाने जा रहा हूं जिसके तहत तीन या चार बार शादी करने वालों को जेल भेजा जाएगा। मैं यह दुकान बंद करने वाला हूं।

असम के मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले गठबंधन को वोट दें और तेजस्वी-ओसामा की जोड़ी से दूर रहें।

भाजपा नेता ने दावा किया कि बिहार में राजग की जीत सुनिश्चित है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद देशभर में हिंदू जाग चुके हैं। उन्होंने कहा, जागृत हिंदुओं ने अयोध्या में बाबर और औरंगजेब की विरासत को पराजित कर भगवान राम के मंदिर का निर्माण कराया। अब वे ओसामा को भी पराजित करेंगे।

शर्मा ने विपक्षी दलों पर यह आरोप भी लगाया कि वे घुसपैठियों का संरक्षण कर रहे हैं और राष्ट्रहित के खिलाफ खड़े हैं।

सुविचार

सपने वो हैं जिनके लिए हमें जागना पड़ता है, और उन्हें सच करने के लिए हर दिन मेहनत करनी पड़ती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उद्यमिता के लिए माहौल बनाएं

उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में युवाओं से किया गया यह आह्वान अत्यंत प्रासंगिक है कि वे भारत में गूगल जैसी कंपनियां स्थापित करें। विद्यार्थियों को महान लक्ष्य बनाने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। अगर युवा यह ठान लें कि हमें भारत को सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है तो वे ऐसा जरूर कर सकते हैं। लेकिन ऐसा होगा कैसे? बेशक भारतीय युवा बहुत बुद्धिमान, मेहनती और प्रतिभाशाली हैं। आज वे अमेरिका में बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ बन रहे हैं। वे भारत में रहकर ऐसी कंपनियां क्यों नहीं बना सकते? इसकी कई वजह हैं, जिनकी ओर समाज और सरकार, दोनों को ध्यान देना होगा। अमेरिका का इकोसिस्टम ऐसा है कि वहां प्रतिभाशाली एवं मेहनती व्यक्ति आगे बढ़ सकता है। वहां जोखिम लेने को स्वीकार किया जाता है। अगर व्यक्ति को एक-दो कोशिशों में असफलता भी मिले तो यह माना जाता है कि उसने कुछ नया सीखा है। किसी के स्टार्टअप को निवेश की जरूरत पड़ती है तो उसका इंतजाम करना मुश्किल नहीं होता है। वहां सरकारों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों की ओर से सहयोग मिलता है। भारत में करोड़ों युवाओं के जीवन का लक्ष्य किसी तरह कोई भी सरकारी नौकरी हासिल करना है। परिवारों और समाज ने उनके दिलो-दिमाग में यह बात दृढ़ता से बैठा दी है कि अगर पढ़-लिखने के बाद भी सरकारी नौकरी नहीं मिली तो सारी मेहनत व्यर्थ गई। दिल्ली, जयपुर, पटना, लखनऊ, प्रयागराज जैसे शहरों में ऐसे कई इलाके हैं, जहां लाखों युवा वर्षों तक इस उम्मीद के साथ 'तैयारी' करते रहते हैं कि बस, एक सरकारी नौकरी मिल जाए! हाल में एक राज्य में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा में बीटेक, एमटेक, एमबीए, पीएचडी धारी युवा शामिल हुए थे। क्या हम ऐसे गूगल, फेसबुक और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां बना सकते हैं?

पिछले कुछ वर्षों में डिजिटलीकरण की वजह से कई काम आसान हुए हैं, लेकिन अभी सुधार की काफी गुंजाइश है। सरकारी कामों की प्रक्रिया बहुत धीमी है। उसमें भ्रष्टाचार किसी से छिपा नहीं है। अगर आज किसी सामान्य किसान का बेटा गेहूं-बाजरा पीसने के लिए गांव या नजदीकी कस्बे में चक्की लगाए तो उसे बिजली कनेक्शन लेने के लिए ही बहुत पापड़ बेलने पड़ेंगे। अगर वह साथ में खानपान से संबंधित कोई प्रतिष्ठान खोलना चाहे तो कई दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका में ये काम बहुत आसानी से हो जाते हैं। चीन ने भी इस तरीके को अपनाया है, इसलिए दुनियाभर के उद्यमी वहां जाते हैं और उसके माहौल की सराहना करते हैं। क्या भारत में युवा उद्यमियों के लिए अनुकूल माहौल नहीं बनाया जा सकता? बिल्कुल बनाया जा सकता है, बस समाज और सरकार को कुछ कदम उठाने होंगे। यह सोच बदलनी होगी कि जीवन का एकमात्र लक्ष्य सरकारी नौकरी प्राप्त करना है। युवाओं को उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उद्योग लगाने वाले युवा भी सम्मान के हकदार हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान देते हैं। समाज को उनका सहयोग करना चाहिए। वहीं, सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उन अवरोधों को हटाए, जो उद्योग लगाने में बाधा बनते हैं। भ्रष्टाचारियों को कठोर दंड देना चाहिए, क्योंकि वे युवाओं का मनोबल तोड़ते हुए देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे उद्यमियों की मिसाल पेश करनी चाहिए, जिनकी शुरुआत सामान्य रही, लेकिन उन्होंने बहुत उन्नति की। जिस दिन युवाओं को अनुकूल माहौल मिलेगा, सरकारी तंत्र उनकी मदद करेगा, तो भारत में भी बड़ी कंपनियों की कतारें लगनी शुरू हो जाएंगी।

ट्वीटर टॉक

जिस बिहार की मेहनतकश जनता अपने खून-पसीने से पूरे देश को सींचती है, उसी बिहार के युवा आज रोजगार के लिए तरस रहे हैं। पूरा प्रदेश बेरोजगारी, पलायन और पेपरलीक से त्रस्त है। जेडीयू-भाजपा के कुशासन ने बिहारवासियों से उनका रोजगार, उनका अधिकार सब छीन लिया है।

-प्रियंका गांधी वाड्रा

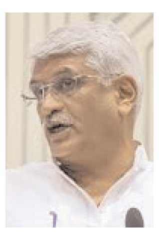

अध्यक्ष पद को सुशोभित कर चुके जनता से दिल का रिश्ता रखने वाले चित्तौड़गढ़ के लोकप्रिय सांसद सीपी जोशी जी को जन्मदिन की बहुत बधाई। आपने हमेशा जनता और संगठन के हित के लिए अपना सौ प्रतिशत योगदान दिया है। आपकी ऊर्जा अक्षुण्ण बनी रहे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

माँग के अनुरूप ही भाजपा ने श्री मोरपाल सुमन को प्रत्याशी बनाया है, जो पूरी तरह स्थानीय है। मोरपाल जी की पत्नी का पीहर मांगरोल है, इसीलिए वह भी स्थानीय है। मोरपाल जी अन्य प्रत्याशियों की तरह दूसरे विधानसभा क्षेत्र के नहीं हैं।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

ब्रह्मचारी के संकल्प

एक दिन महर्षि अष्टावक्र ने महर्षि वदान्य के पास जाकर उनकी कन्या से विवाह की इच्छा व्यक्त की। महर्षि वदान्य ने कहा, 'पुत्र, मैं अपनी कन्या का विवाह तुम्हारे साथ तभी करूंगा जब तुम मेरी एक आज्ञा का पालन करोगे।' अष्टावक्र ने पूछा, 'वह क्या आज्ञा है, महर्षि?' महर्षि वदान्य ने कहा, 'तुम उत्तर दिशा की ओर जाओ। अलकापुरी और हिमालय पर्वत को पार करते हुए तुम कैलास पर्वत तक पहुंचोगे। वहां एक तपस्विनी वृद्धा रहती है। तुम उसे दर्शन करके लौट आना।' अष्टावक्र ने महर्षि की आज्ञा को स्वीकार किया। उन्होंने हिमालय की ऊंचाइयों में यात्रा की और वहां एक अत्यन्त सुंदर युवती ने उन्हें मोह लेने के लिए कई प्रकार के छल करती रही। लेकिन अष्टावक्र ने अपनी इच्छाओं को दृढ़ता से नियंत्रित किया। उन्होंने उसे माता कहकर सम्मानित किया। अंततः उस युवती ने अपने वास्तविक रूप में प्रकट होकर कहा, 'अष्टावक्र! मुझे प्रसन्नता है कि तुमने स्त्री के मोह और आकर्षण से बचकर अपने ब्रह्मचर्य व्रत को न छोड़ा। इस पर ब्रह्मा, इन्द्र और अन्य देवता तुमसे अत्यन्त प्रसन्न हैं। तुम्हारे द्वारा जो कार्य महर्षि वदान्य के लिए किया गया था, वह अवश्य पूर्ण होगा।

सामयिक

गुरु नानक देव : मानवता के पथप्रदर्शक, विलक्षण संत

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

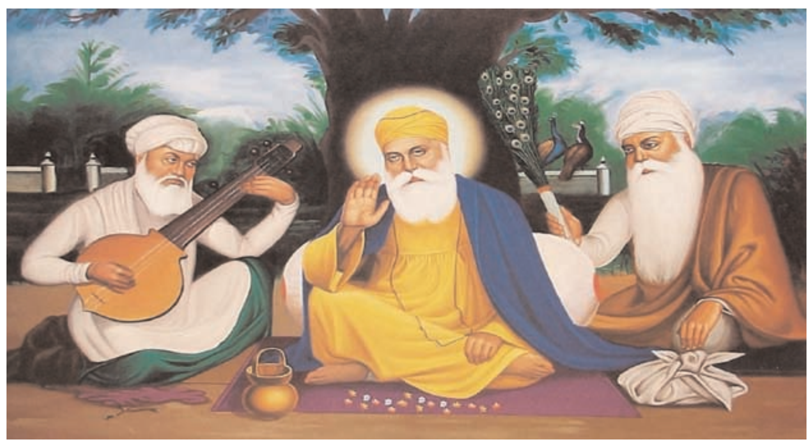

भारत की पवित्र भूमि सदैव से महापुरुषों, संतों और अवतारों की कर्मभूमि रही है। इसी भूमि पर तलवंडी (अब ननकाना साहिब, पाकिस्तान) में गुरु नानक देव का जन्म हुआ। वे केवल सिख धर्म के प्रवर्तक नहीं थे, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के पथप्रदर्शक, समानता, प्रेम, शांति और सत्य के अमर उपासक थे। उन्होंने धर्म के बाहरी आडंबरों, जातिगत भेदभाव और संकीर्णता का विरोध करते हुए एक ऐसे समाज की कल्पना की जिसमें हर मनुष्य को समान अधिकार मिले और सबके हृदय में करुणा का प्रकाश जले। उनके जीवन की घटनाएं उनकी विलक्षण दृष्टि और दिव्य चेतना का परिचय देती हैं। उनके जन्म दिन को हम प्रकाश पर्व, गुरु पर्व, गुरु पूरब भी कहते हैं। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु - सभी गुणों को समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन से ही दिखाई देने लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे।

गुरुनानक देव एक महापुरुष व महान धर्म प्रवर्तक थे जिन्होंने विश्व से सांसारिक अज्ञानता को दूर कर आध्यात्मिक शक्ति को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया। उनका कथन है- रैन गवाई सोई कै, दिवसु गवाया खाय। हीरे जैसा जन्मु है, कौड़ी बदले जाय। उनकी दृष्टि में ईश्वर सर्वव्यापी है और यह मनुष्य जीवन उसकी अनमोल देन है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्हें हम धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्तिक्रांति एवं समाजक्रांति का प्रेरक कह सकते हैं। उन्होंने एक तरह से सनातन धर्म को ही अपने भीतरी अनुभवों से एक नये रूप में व्याख्यायित किया। गुरु नानकजी ने गुलामी, नस्लीय भेदभाव और लिंगभेद की निंदा की। वे कहते थे कि पैसे हमेशा जेब में होने चाहिए, हृदय में नहीं। मनुष्य को लोभ का त्याग करना चाहिए और सदैव परिश्रम से धन कमाना चाहिए। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। आपके स्वभाव में चिंतनशीलता थी तथा आप एकांतप्रिय थे। आपका मन स्कूली शिक्षा की अपेक्षा साधु-संतों व विद्वानों की संगति में अधिक रमता था। बालक नानक ने संस्कृत, अरबी व फारसी भाषा का ज्ञान घर पर रहकर ही अर्जित किया। इनके पिता ने जब पुत्र में सांसारिक विरक्ति का भाव देखा तो उन्हें पुनः भौतिकता की ओर आसक्त करने के उद्देश्य से पशुपालन का कार्य सौंपा। फिर भी नानकदेव का अधिकांश समय ईश्वर भक्ति और साधना में व्यतीत होता था।

गुरु नानकदेव ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि थे। सिख धर्म के दस गुरुओं की कड़ी में प्रथम हैं गुरु नानक। अणु को विराट के साथ एवं आत्मा को परमात्मा के साथ एवं आत्मज्ञान को प्राप्त करने के एक नए मार्ग की परंपरा का सूत्रपात गुरुनानक ने किया है, यह किसी धर्म की स्थापना नहीं थी। उन्होंने परम सत्ता या संपूर्ण चेतन सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित करने का मार्ग बताया। यही वह सार्वभौम तत्व है, जो मानव समुदाय को ही नहीं, समस्त प्राणी जगत को एकता के सूत्र में बांधे हुए हैं। इसी सूत्र को अपने अनुयायियों में प्रभावी ढंग से सम्प्रेषित करते हुए 'सिख' समुदाय के प्रथम धर्मगुरु नानक देव ने मानवता एवं सर्वधर्म सद्भाव का पाठ पढ़ाया। उन्होंने समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने के लिए लंगर परंपरा की शुरुआत की थी, जहां गरीब-राजा, ऊंच-नीच सभी लंगर खाते थे। उन्होंने 'निर्गुण उपासना' पर जोर दिया और उसका ही प्रचार-प्रसार किया। वे मूर्ति पूजा नहीं करते थे और न ही मानते थे। ईश्वर एक है, वह सर्वशक्तिमान है, वही सत्य है, इसमें ही नानक देव का पूरा विश्वास था। उनका धर्म और अध्यात्म लौकिक तथा पारलौकिक सुख-समृद्धि के लिए श्रम, शक्ति, भक्ति एवं मनोयोग के सम्यक नियोजन की प्रेरणा देता है। गुरु नानक देव की शिक्षाएं आज अधिक प्रासंगिक हैं क्योंकि उन्होंने मानवता और सत्कर्म को सबसे बड़ा धर्म बताया था। उन्होंने समाज में कई बदलाव लाने का काम किया, उन्होंने स्त्रियों को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा दिया और वैवाहिक जीवन को पवित्र माना। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी धर्म, जाति, और सम्प्रदाय के लोगों को समान रूप से शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने आडंबर और अंधविश्वासों का खंडन किया और ईश्वर की प्रत्यक्ष भक्ति पर ज़ोर दिया। उन्होंने अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए संवादों का महत्व बताया और निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देते हुए करुणा, परोपकारिता और ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया।

एक बार जब वे सुल्तानपुर में नवाब की नौकरी कर रहे थे, उन्हें अनाज की तौल का कार्य सौंपा गया। वे गिनती करते हुए एक, दो, तीन बोलते जा रहे थे, पर जब तेरह पर पहुँचे तो वे रुक गए और बार-बार तेरह, तेरह कहने लगे। लोग चकित हो उठे। उन्होंने कहा- तेरा, सब कुछ तेरा अर्थात इस संसार में कुछ भी मेरा नहीं, सब कुछ ईश्वर का है। यही गुरु नानक की आत्मदृष्टि थी, जहाँ उन्होंने अहंकार से मुक्त होकर ईश्वर की सर्वव्यापकता का अनुभव किया। यह घटना उनके आध्यात्मिक जीवन का निर्णायक क्षण बनी। एक अन्य प्रसंग में वे अपने साथी भाई मरदाना के साथ मक्का पहुंचे। थकान से चूर होकर वे विश्राम हेतु लेट गए और उनके पैर काबा की दिशा में हो गए। एक व्यक्ति ने आक्रोश में कहा, अपने पैर ईश्वर की ओर कैसे फैला दिए? गुरु नानक मुस्कराकर बोले, भाई, मेरे पैर उस दिशा में कर दो जहाँ ईश्वर न हो। वह व्यक्ति जैसे-जैसे पैर घुमाता गया, काबा उसी दिशा में घूमता प्रतीत हुआ। यह घटना उनके सर्वधर्मसमभाव और सर्वव्यापक ईश्वर की अनुभूति की प्रतीक बन गई। एक बार कुछ लोगों ने गुरुनानक देव से पूछा कि हमें यह बताइए कि आपके अनुसार हिंदू बड़ा है या मुसलमान तो गुरु साहिब ने उत्तर दिया, 'अवल अल्लाह नूर उपाइया कुदरत के सब बंदे, एक नूर से सब जग उपजया कौन भले कौन मंदे।' यानी सब इंसान ईश्वर के पैदा किए हुए हैं, न तो हिंदू कहलाने वाला भगवान की नजर में कबूल है, न मुसलमान कहलाने वाला। रब की निगाह में वही बंदा ऊंचा है जिसका अमल नेक हो, जिसका आचरण सच्चा हो। इस तरह गुरुनानक देव सच्चे गुरु एवं परमात्मा स्वरूप हैं।

गुरु नानक का जीवन सरलता, सच्चाई, करुणा और निस्वार्थ सेवा का आदर्श था। उन्होंने कहा- ना कोई हिन्दू, ना मुसलमान; सब एक ही नूर से उपजे हैं। वे धर्म को किसी संप्रदाय की सीमाओं में नहीं बाँधते थे, बल्कि मानवता को ही सच्चा धर्म मानते थे। उनके तीन सूत्र-नाम जपो, कीरत करो और वंड छको, मानव जीवन के नैतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक आधार हैं। उनका कहना था कि ईश्वर का स्मरण करो, ईमानदारी से परिश्रम करो और जो कुछ कमाओ उसमें से दूसरों के साथ बाँटो। उनका जीवन इस सत्य का साक्षी है कि धर्म पूजा-पाठ या कर्मकांडों में नहीं, बल्कि आचरण और व्यवहार में बसता है। वे कहते थे, वह धर्म नहीं जो दूसरों को दुख दे, वह भक्ति नहीं जो केवल पूजा में सीमित रहे। गुरु नानक ने अहंकार, लोभ, क्रोध और हिंसा से मुक्त जीवन जीने की प्रेरणा दी और यह बताया कि ईश्वर प्रत्येक प्राणी में विद्यमान है। उन्होंने कहा- सबना में जोत, जोत है सोई; तिस दा चानन सब में होई। यानी हर प्राणी में उसी परमात्मा की ज्योति विद्यमान है, इसलिए किसी से भेदभाव मत करो।

आज जब मानवता पुनः संकीर्णता, हिंसा और विभाजन के दौर से गुजर रही है, तब गुरु नानक देव की शिक्षाएं हमारे लिए दिशा-सूचक दीपक हैं। उनका सन्देश हमें करुणा, एकता, सादगी और सच्चाई की ओर ले जाता है। उन्होंने जीवनभर यह बताया कि सच्चा धर्म वही है जो मानवता को जोड़े, प्रेम को बढ़ाए और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे। एक ओंकार सतनाम, करता पुरख, निरभउ, निरवैर- यह उनके जीवन का सार था, जो आज भी विश्व को यह सिखाता है कि ईश्वर एक है, वह सबका है, सबमें है, और सबके लिए है। गुरु नानक देव सचमुच उस विराट चेतना के प्रतीक हैं जो समय, धर्म और सीमाओं से परे होकर मानवता के उजाले की दिशा दिखाती है।

नजरिया

युवाओं द्वारा स्वप्न देखना स्वाभाविक लक्षण है। लेकिन प्रचार के जरिए देश में माहौल कुछ ऐसा बना दिया गया है कि सरकारी अथवा निजी क्षेत्र में नौकरी करना ही जीवन की सफलता है। परंतु यह प्रयोग प्रशिक्षित युवा वर्ग में निर्वाचन के जरिए पंचायती राज व्यवस्था में प्रशासनिक अधिकार प्राप्त कर लेने की उम्मीद जगाता है। यदि इन युवाओं को पर्याप्त अवसर मिलते हैं, तो उनमें पंचायती राज की कमियों को दूर करने की क्षमता तो दिखाई देगी ही, वे आलोचनात्मक सोच के माध्यम से चुनौतियों की पहचान कर उनके उचित समाधान के प्रति भी प्रतिबद्ध दिखाई देंगे।

लोकतंत्र को सशक्त बनाएंगी आदर्श युवा ग्रामसभाएं

प्रमोद भार्गव
मोबाइल :9981061100

किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा आबादी होती है। यह सुखद है कि विश्व की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या भारत में है। आधे नागरिक 25 वर्ष से कम आयु के हैं। इसीलिए नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तभी से वे इस युवा ऊर्जा को नावाचार से जोड़ने के प्रयास में लगे हुए हैं। इसमें सफलता भी मिली है। इसी का नतीजा है कि देश दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर एक उभरती हुई वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। अब युवा जनसांख्यिकीय ताकत को पंचायतीराज में शिक्षित युवाओं के समावेशीकरण की दृष्टि से एक अनूठी नवाचारी पहल पंचायती राज मंत्रालय ने की है। इसमें जनजातीय कार्य मंत्रालय और शिक्षा विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है। इसके अंतर्गत आदर्श युवा ग्रामसभा यानी मॉडल यूथ ग्रामसभा (एमवायजीएस) एक ऐसी पहल है, जो युवाओं में लोकतांत्रिक भागीदारी और नेतृत्व को प्रेरित करती है। ये युवा ग्रामों में जमीनी लोकतंत्र की भावना को न केवल मजबूती देंगे, अपितु त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में शामिल होकर नवीन डिजिटल माध्यमों से ग्राम पंचायत प्रशासन को पारदर्शी बनाने के साथ, उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का काम भी करेंगे। इस व्यवस्था को तीनों विभागों ने तालमेल बिठाकर 30 अक्टूबर 2025 को शुभारंभ भी कर दिया है।

त्रिस्तरीय पंचायती राज में सरपंच, जनपद अध्यक्ष और जिला पंचायत अध्यक्ष से कहीं ज्यादा संवैधानिक महत्व ग्राम सभाओं का है। हालांकि कमोबेश पूरे देश में ग्राम सभाओं को नजरअंदाज किया जाता है। कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी ग्राम सभाओं के कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रस्तावों को टाल देते हैं। ग्राम सभाओं की इस कानूनी बाध्यता को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए वेदांता जैसी खनिज उत्खनन की बहुराष्टीय कंपनी और ओड़ीसा राज्य सरकार के मामले में 2013 में दिए गए एक फैसले से जानते हैं। शायद देश में ऐसा पहली बार हुआ था कि पंचायतराज और ग्रामसभा के अधिकारों की कितनी अहम भूमिका ग्राम विकास में अतंर्निहित है। पंचायत और वनाधिकार कानून की यह न्यायिक व्याख्या ऐसी राज्य सरकारों के लिए एक सबक है, जो इन कानूनों को ताक पर रखकर मनमानी करती हैं। इस दृष्टि से ओड़ीसा की नियमगिरी की पहाड़ियों पर सर्वोच्च न्यायालय ने बॉक्साइट के उत्खनन की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। यहां गौरतलब है कि न्यायालय ने खुद व्यापार की कोई नई कानूनी संहिता नहीं रची थी, बल्कि अदालत ने पहले से ही प्रचलन में आए 'पंचायती राज अनुसूचित क्षेत्र विस्तार अधिनियम' (पेसा) और आदिवासी एवं अन्य वनवासी भूमि अधिकार अधिनियम ;वनाधिकार कानून में तय मानदण्डों के आधार पर ही अपना फैसला दिया था। अदालत ने केवल यह रेखांकित किया था कि इन कानूनों के तहत आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय खनिज संपदाओं के उपयोग के संबंध में ग्रामसभाएं पूरी तरह अधिकार संपन्न हैं और उनकी अनुमति के बिना कोई कंपनी या राज्य सरकार बेज़ा दखल नहीं दे सकती है। साथ ही, कार्यपालिका ग्रामसभा के निर्णय को मौके पर पालन कराने के लिए बाध्यकारी है। इस फैसले के बाद वेदांता समूह को मिले खनन के अधिकार पर ग्रहण लग गया था। इससे गांव में जमीन पर सामुदायिक हक किसका है, यह निर्धारित करने का निर्णय ग्राम सभाओं को मिल गया था। इससे पहले इसी आधार पर 2009 में अरावली पर्वत श्रृंखलाओं में खनन पर रोक लगा चुकी थी। ग्राम सभाओं के इसी महत्व को अंगीकार करते हुए कर्नाटक के बेल्लारी, तुमकुर और चित्रांगदा जिलों में लौह अयस्क उत्खनन के 50 पट्टे भी शीर्ष न्यायालय ने रद्द कर दिए थे। अदालत के इस लोकतांत्रिक एवं जनहितैषी कानून सम्मत फैसले से इस अवधारणा को शक्ति मिली थी कि जिन मूल निवासियों के संसाधनों पर परियोजनाएं स्थापित होनी हैं, उन्हें लगाने या न लगाने का अधिकार पंचायत अधिनियम में दर्ज ग्राम सभाओं को है। ग्राम सभाएं निर्णय लेने को पूरी तरह स्वतंत्र हैं। चूंकि आदर्श युवा ग्राम सभाओं में ऐसे विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत गतिविधि आधारित और अनुभवजन्य शिक्षा पर बल देती है। इस प्रशिक्षण का लक्ष्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों, दायित्वों के प्रति सम्मान के साथ देश के प्रति भावनात्मक जुड़ाव विकसित करना है। इसीलिए इन आदर्श युवा ग्राम सभाओं में जवाहर नवोदय विद्यालय, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय और अन्य सरकारी विद्यालयों के नवीं एवं दसवीं के छात्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। क्योंकि यही संस्थान समाज के विविध वर्गों का प्रतिनिधित्व करते है। अतएव इस पहल का दायरा सभी ग्रामीणों से लेकर जनजातीय समुदाओं तक फैला हुआ है। चूंकि संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज व्यवस्था में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के आरक्षण के साथ इन समुदायों की महिलाओं को भी आरक्षण की सुविधा प्राप्त है। इसीलिए ग्राम पंचायतों को भारत की विविधता का वास्तविक प्रतिबिंब माना जाता है।

निश्चित ही यह लोक-कल्याणकारी निर्णय ग्रामीण जनसमूहों में चेतना का आधार बनेगा और ग्राम विकास में ग्राम सभा की भूमिका मजबूत होगी। साथ ही इस ऐतिहासिक फैसले के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकारों और उद्योगपतियों को यह संदेश लेने की जरूरत है कि वे अब अपेक्षाकृत ज्यादा मानवीय और समावेशी विकास की पक्षधर दिखें ? तभी विकेंद्रीकृत पंचायती राज प्रणाली में कानून की सार्थकता सिद्ध होगी।

युवाओं द्वारा स्वप्न देखना स्वाभाविक लक्षण है। लेकिन प्रचार के जरिए देश में माहौल कुछ ऐसा बना दिया गया है कि सरकारी अथवा निजी क्षेत्र में नौकरी करना ही जीवन की सफलता है। परंतु यह प्रयोग प्रशिक्षित युवा वर्ग में निर्वाचन के जरिए पंचायती राज व्यवस्था में प्रशासनिक अधिकार प्राप्त कर लेने की उम्मीद जगाता है। यदि इन युवाओं को पर्याप्त अवसर मिलते हैं, तो उनमें पंचायती राज की कमियों को दूर करने की क्षमता तो दिखाई देगी ही, वे आलोचनात्मक सोच के माध्यम से चुनौतियों की पहचान कर उनके उचित समाधान के प्रति भी प्रतिबद्ध दिखाई देंगे।

चूंकि ये शिक्षित होंगे, इसलिए समकालीन मुद्दों पर नई दृष्टि से विचार करेंगे और समाज को संवाद से प्रेरित करेंगे। अतएव कह सकते हैं कि युवा सरकारी नौकरी पाने की बजाय ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार एवं स्वालंबन का बड़ा आधार बनेंगे। पंचायती राज में इन युवाओं की भूमिका इसलिए भी अहम रूप में रेखांकित होगी, क्योंकि अब वर्तमान नीतिगत तकनीकी उपायों और कृत्रिम बुद्धि कंप्यूटर से चलने वाले प्रशासन के जरूरी हिस्सा हो गए हैं। इनका सही इस्तेमाल निरीक्षण और अशिक्षित पंचायत प्रतिनिधि की बजाय सुशिक्षित एवं तकनीक का जानकार निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि कहीं ज्यादा कारगर एवं परिणाम मूलक उपयोग कर पाएंगे। अतएव आदर्श युवा ग्राम सभा एक रूपांतरणकारी दौर से गुजरेगी और इस स्थानीय शासन-प्रशासन व्यवस्था में लोकतांत्रिक मूल्य मजबूत होंगे। भारत जब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में चल पड़ा है, तब पंचायती राज की लोकतांत्रिक नींव को मजबूत करना जरूरी हो जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

श्रद्धांजलि

गुवाहाटी में मंगलवार को दिवंगत बांसुरी वादक दीपक सरमा को श्रद्धांजलि देते हुए लोग बांसुरी बजाते हुए।

अफगानिस्तान में भूकंप से ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान, पीड़ितों ने खुले में बिताई रात

काबुल/एपी। उत्तरी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। इस भूकंप में बचे लोग कड़ाके की ठंड में रात खुले में बिताने को मजबूर थे। भूकंप प्रभावित लोग मंगलवार को अपने घरों के मलबे से बचे हुए सामान को निकालने की कोशिश करते नजर आए। क्षेत्र में बारिश का पूर्वानुमान है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ जाएगी। सोमवार को स्थानीय समयानुसार रात एक बजे से कुछ ही समय पहले 6.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र सामंगन प्रांत के खुल्म शहर से 22 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिणपश्चिम में था। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि मंगलवार सुबह तक मृतकों की संख्या 21 हो गई थी, जबकि 819 लोग घायल हुए थे, जिनमें से 25 की हालत गंभीर है।

भूकंप से ऐतिहासिक स्थलों को भी नुकसान पहुंचा है, जिनमें अफगानिस्तान के उत्तरी शहर मजार-ए-शरीफ में स्थित प्रसिद्ध नीली मस्जिद, जो अफगानिस्तान के सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों में से एक है, तथा खुल्म में बाग-ए-जहां नामा महल भी शामिल है।

बल्ख प्रांत के सूचना एवं संस्कृति प्रमुख महमूदुल्लाह जरार ने बताया कि नीली मस्जिद की मीनार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, जबकि मस्जिद की कुछ दीवारों से ईंटें और टाइलें गिर गई हैं तथा सदियों पुराने स्थल के अन्य हिस्सों में दरारें आ गई हैं। उन्होंने कहा, यह पवित्र दरगाह इस्लामी मूल्यों और इस्लामी युग के इतिहास का एक मूल्यवान स्मारक है... (और) इसकी मरम्मत और जीर्णोद्धार की सख्त जरूरत है।

समांगन प्रांत के सूचना एवं संस्कृति प्रमुख फिरोजुद्दीन मुनीब ने बताया कि प्रांत में सबसे ज़्यादा क्षतिग्रस्त ऐतिहासिक स्मारक 19वीं सदी का बाग़-ए-जहांनामा महल था। 1890-1892 में बना यह महल और इसके आस-पास के बगीचे पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय स्थल हैं।

खुल्म में स्थानीय निवासी असदुल्लाह समनगानी ने कहा, हमने कल रात खुले मैदान में बिताई। मौसम बहुत ठंडा था, हमें नींद नहीं आ रही थी, हमें लग रहा था कि अब फिर से भूकंप आएगा।

नेपाल में हिमस्खलन की घटनाओं में दो स्थानीय गाइड समेत नौ पर्वतारोहियों की मौत

काठमांडू/भाषा

नेपाल में हिमस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में दो नेपाली गाइड सहित कम से कम नौ पर्वतारोहियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस उपाधीक्षक ज्ञान कुमार महतो ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे गौरीशंकर ग्राम पालिका के अंतर्गत माउंट यालुंग री (6,920 मीटर) के निकट चोटी पर चढ़ने का प्रयास करते समय हुए हिमस्खलन में सात पर्वतारोही दफन हो गए। उन्होंने बताया कि सात पर्वतारोहियों के शव निकालने के लिए संयुक्त बचाव अभियान चलाया गया है।

मृत पर्वतारोहियों में दो नेपाली, दो इतालवी- पाओलो कोको और मार्को डि मार्सेलो, एक कनाडाई, एक फ्रांसीसी और एक जर्मन शामिल हैं।

तीन नेपाली और दो फ्रांसीसी नागरिक घायल भी हुए हैं और उन्हें हेलीकॉप्टर से काठमांडू के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामूली रूप से घायल चार अन्य पर्वतारोहियों को भी घटनास्थल से निकाल लिया गया।

एक अलग घटना में, दो इतालवी पर्वतारोही, स्टेफानो फैरोनाटो और एलेसेंड्रो कैपुटो 28 अक्टूबर को भारी बर्फबारी के बाद से लापता थे और वे मनास्लू क्षेत्र में माउंट पनबारी (6,887 मीटर) के कैंप में अपने तम्बू में मृत पाए गए।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में पुरातात्विक खुदाई के दौरान आठ प्राचीन स्थलों का पता चला

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्वात से तक्षशिला तक फैले क्षेत्र में चल रही पुरातात्विक खुदाई के दौरान आठ प्राचीन स्थलों का पता चला है जिसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

इटली के पुरातत्वविदों ने खैबर पख्तूनख्वा पुरातत्व निदेशालय के सहयोग से इन प्राचीन स्थलों का पता लगाया है।

स्वात के बारिकोट में लगभग 1,200 साल पुराने एक छोटे मंदिर के अवशेष मिले हैं, जो इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत का दुर्लभ प्रमाण है।

इतालवी पुरातत्व मिशन के निदेशक डॉ. लुका ने बताया कि बारिकोट (प्राचीन बज़ीरा) में खुदाई के दौरान छोटे मंदिर के अवशेष मिले हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर और आसपास की पुरातात्विक परतों के चारों ओर एक सुरक्षात्मक 'बफर ज़ोन' स्थापित करने के लिए खुदाई क्षेत्र का विस्तार स्वात नदी की ओर कर दिया गया है।

'खैबर पथ परियोजना' नामक इस तीन वर्षीय पहल के तहत, 400 से अधिक स्थानीय श्रमिकों को खुदाई, संरक्षण और विरासत प्रबंधन में व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे।

एक जून से शुरू हुई इस परियोजना का उद्देश्य प्रांत में क्षेत्रीय विकास, व्यावसायिक क्षमता निर्माण और पर्यटन को बढ़ावा देना है।

इनमें से कई स्थानों पर खुदाई का काम पहले ही शुरू हो चुका है।

प्रारंभिक अध्ययनों से संकेत मिलता है कि इन स्थलों पर प्रागैतिहासिक काल से लेकर इस्लामी काल तक लगातार लोग रहते थे। इनमें से एक प्रमुख खोज एक किला है जिसके बारे में माना जाता है कि यह गजनवी काल का है।

उल्लेखनीय है कि इतालवी पुरातत्वविदों ने स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से अब तक खैबर पख्तूनख्वा में 50 से अधिक पुरातात्विक स्थलों की खोज की है।

ये खोजें पाषाण युग से लेकर सिकंदर महान, बौद्ध धर्म, हिंदू शाही राजवंश, यूनानी युग और प्रारंभिक इस्लामी काल तक फैली हुई हैं, जो इस क्षेत्र में मानव सभ्यता की उल्लेखनीय निरंतरता को दर्शाती हैं।

ट्रेलर लांच

नेटफ्लिक्स के दिल्ली क्राइम सीज़न-3 के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान बॉलीवुड कलाकार शेफाली शाह, रसिका दुग्गल, सयानी गुप्ता और हुमा कुरैशी।

प्रोडक्शन हाउस राजश्री ने दी तब्बू को जन्मदिन की बधाई, याद किया 'साधना' का आइकॉनिक

नई दिल्ली/एजेन्सी

बाल कलाकार के तौर पर साल 1980 में आई फिल्म 'बाजार' से डेब्यू करने वाली तब्बू यानी तबस्सुम फातिमा मंगलवार को अपना 54वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस के जन्मदिन पर बॉलीवुड स्टार्स भी खूब सारा प्यार लुटा रहे हैं। अब राजश्री फिल्म ने तब्बू को खास तरीके से जन्मदिन की बधाई दी है और उनके आइकॉनिक किरदार को याद किया है। फिल्म प्रोडक्शन हाउस राजश्री ने तब्बू को जन्मदिन की बधाई देते हुए खास पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने उनके आइकॉनिक किरदार 'साधना' की फोटो शेयर की है। उन्होंने लिखा, शानदार तब्बू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ! हम 'हम साथ साथ हैं' की आदर्श बड़ी बहू साधना का जश्न मना रहे हैं। शालीनता, गर्मजोशी और प्यार से परिपूर्ण एक किरदार; तब्बू ने उसे सचमुच यादगार बना दिया। उनके इन किरदारों से कोई भी कभी नफरत नहीं कर सकता!

राजश्री फिल्म ने 'हम साथ साथ हैं' में आदर्श बहू बनी तब्बू के साधना के किरदार की फोटो शेयर की है, जिसमें वे एक शर्मीली लड़की से लेकर परिवार को साथ लेकर चलने वाली बहू के रूप में दिखी हैं। फिल्म में साधना, यानी तब्बू, परिवार न टूटे और भाइयों में संपत्ति को लेकर किसी तरह का विवाद न हो, इसलिए वह परिवार से अलग गांव में जाकर बस जाती हैं। साधना के रोल को बहुत सराहा गया था।फिल्म प्रोडक्शन हाउस राजश्री के अलावा बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने भी तब्बू को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो, खूबसूरत तब्बू। हम आपके अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना करते हैं और आपका आने वाला साल खुशियों से भरा रहे। बता दें कि तब्बू का आने वाला साल काफी व्यस्त है, क्योंकि एक्ट्रेस फिल्म से लेकर वेब सीरीज में दिखने वाली हैं।

तब्बू को करीना कपूर और कृति सैनन स्टारर फिल्म 'क्रू' में देखा गया था और अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट 'क्रू 2' आने वाला है। इसके अलावा, तब्बू 'अंधाधुन 2' और 'चांदनी-2' में दिखेंगी। अभी तक 'दृश्यम 3' की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन मेकर्स ने फिल्म लाने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो फिल्म की शूटिंग अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में भी तब्बू दिख सकती हैं।

अमिताभ ने फिल्म इक्कीस की सफलता के लिए अगस्त्य नंदा को शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अपने नाती अगस्त्य नंदा को उनकी आगामी फिल्म इक्कीस की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता दिनेश विजान और उनका बैनर मैडॉक फिल्म्स हैं। अमिताभ ने मंगलवार को अगस्त्य के लिए एक नोट के साथ 'एक्स' पर फिल्म का ट्रेलर साझा किया। उन्होंने लिखा, अगस्त्य...मुझे तुम पर बहुत गर्व है। 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली फिल्म के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। मरणोपरांत सबसे कम उम्र में परमवीर चक्र पुरस्कार से सम्मानित सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की अनकही सच्ची कहानी के गवाह। अगस्त्य ने 2023 में जोया अख्तर के निर्देशन में बनी द आर्चीज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस सीरीज में सुहाना खान, खुशी कपूर और मिहिर आहूजा ने भी अभिनय किया था।

अगस्त्य (24) फिल्म इक्कीस में 1971 के भारत-पाक युद्ध में बसंतर की लड़ाई के दौरान 21 साल की उम्र में शहीद हुए खेत्रपाल की भूमिका निभा रहे हैं। खेत्रपाल के साहस और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। वह उस समय भारत का सर्वोच्च सैन्य सम्मान पाने वाले सबसे कम उम्र के सैन्यकर्मी थे।

केरल राज्य फिल्म पुरस्कार

बाल कलाकारों को पुरस्कार नहीं देने पर विवाद, मंत्री ने दी प्रतिक्रिया

तिरुवनंतपुरम/भाषा

केरल राज्य फिल्म पुरस्कार निर्णायक मंडल द्वारा बाल कलाकारों और बच्चों की फिल्मों को पुरस्कार नहीं दिए जाने को लेकर उत्पन्न विवाद के बीच प्रसिद्ध बाल कलाकार देवा नंदा एवं फिल्म निर्माता विनेश विश्वनाथ ने इसकी आलोचना की है। 'मलिकाप्पुरम' की अभिनेत्री देवा नंदा ने फेसबुक पर एक 'पोस्ट' साझा कर निर्णायक मंडल पर भावी पीढ़ी की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई प्रतिभाशाली बाल कलाकारों ने 'स्थानार्थी श्रीकुट्टन', 'गु', 'आर्म' और 'फीनिक्स' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। राज्य के सिनेमा एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री साजी चेरियन ने, हालांकि इस आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि जूरी को 2024 के लिए प्रस्तुत फिल्में पर्याप्त रचनात्मक नहीं लगीं। देवा नंदा ने कहा कि योग्य बाल कलाकारों को पुरस्कार देने से इनकार करना ''फिल्मों में अभिनय करने के लिए अधिक बच्चों को प्रोत्साहित करने'' की निर्णायक मंडल के अध्यक्ष अभिनेता प्रकाश राज की इच्छा के विपरीत है।

उन्होंने कहा, ''अगर उन दो बच्चों (लड़का एवं लड़की श्रेणी में बाल कलाकारों) को पुरस्कार मिलते तो यह कई अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन जाता।'' देवा नंदा ने कहा कि निर्णायक मंडल के अध्यक्ष ने कहा था कि बच्चों को अधिक अवसर मिलने चाहिए, क्योंकि वे भी समाज का हिस्सा हैं, लेकिन वे बच्चों के अधिकारों को समझने में विफल रहे। उन्होंने कहा, ''यह बेहद निराशाजनक है।'' उन्होंने कहा कि बदलाव बच्चों के अधिकारों की रक्षा करके आना चाहिए, न कि उन्हें नकारकर।

फिल्म 'स्थानार्थी श्रीकुट्टन' का निर्देशन करने वाले फिल्म निर्माता विनेश विश्वनाथ ने भी निर्णायक मंडल के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने फेसबुक पर अपनी फिल्म की तस्वीर साझा की और बाल फिल्मों के बारे में की गई निर्णायक मंडल के अध्यक्ष की टिप्पणी का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए कहा, ''सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार के लिए कोई भी योग्य प्रविष्टि न होने वाली दुनिया में वे (बाल कलाकार) बुलंदियां छू रहे हैं।'' उन्होंने सोमवार को त्रिशूर में राज्य फिल्म पुरस्कारों की घोषणा के दौरान दिए प्रकाश राज के बयान का एक वीडियो भी टैग किया। मंत्री चेरियन ने कहा कि ये फिल्में पुरस्कार पाने के लिए जरूरी मानकों पर खरी नहीं उतरीं और निर्णायक मंडल ने इस पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, ''निर्णायक मंडल ने इस साल प्रस्तुत कुल 137 फिल्म में से केवल 10 प्रतिशत को ही गुणवत्तापूर्ण पाया।'' चेरियन ने फिल्म बिरादरी से फिल्मों में बच्चों को अधिक रचनात्मक भूमिका देने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करेगी और यदि किसी सहायता की आवश्यकता होगी तो वह उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्री ने बाल फिल्मों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए उद्योग के हितधारकों के साथ जल्द ही एक बैठक बुलाने की भी प्रतिबद्धता जताई। चेरियन ने आश्वासन दिया कि अगले साल निश्चय ही बच्चों को पुरस्कार मिलेंगे।

जटाधारा की शूटिंग के दौरान मेकर्स ने करवाए असली तांत्रिक अनुष्ठान

मुंबई/एजेन्सी

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू अभिनीत मैग्नम ओपस 'जटाधारा' अपनी रिलीज़ से पहले ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है और हाल ही में सामने आए एक बिहाइंड-द-सीन्स खुलासे ने फिल्म की गहराई और इसकी प्रामाणिकता के प्रति निर्माताओं की प्रतिबद्धता को और भी उजागर कर दिया है। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल द्वारा निर्देशित 'जटाधारा' केवल एक अलौकिक ड्रामा नहीं, बल्कि संस्कृति, अनुष्ठान और भावनाओं से जुड़ी एक सिनेमाई यात्रा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की शूटिंग के दौरान टीम ने एक अहम सीक्वेंस के लिए न सिर्फ वास्तविक तांत्रिक अनुष्ठान करवाए, बल्कि सच्चे मंत्रों का जाप भी करवाया, जिससे दृश्य को आध्यात्मिक रूप से प्रामाणिक और ऊर्जावान बनाया जा सके। सांस्कृतिक और धार्मिक सटीकता सुनिश्चित करने के लिए निर्माताओं ने गहन शोध किया और अपने काम में महारत हासिल कर चुके तांत्रिकों से परामर्श लिया, जिन्होंने सेट पर अनुष्ठान का मार्गदर्शन किया। कास्ट और क्रू के अनुसार, उन दिनों का माहौल एक सामान्य फिल्म शूट जैसा नहीं था, बल्कि विशेषज्ञ तांत्रिकों की निगरानी में, सभी की सुरक्षा व सहजता को ध्यान में रखते हुए, पूरी सावधानी और सम्मान के साथ अनुष्ठान करवाए गए। इस संदर्भ में निर्देशक वेंकट कल्याण कहते हैं, हम सिर्फ उस ऊर्जा को दोहराना नहीं चाहते थे, बल्कि हम उसे महसूस करना चाहते थे।

'जटाधारा' जैसी कहानी में बात सिर्फ दृश्यों या इफेक्ट्स की नहीं है, बल्कि उस गहराई को जगाने की है जो मनुष्य को अदृश्य से जोड़ती है। ये अनुष्ठान दिखावे के लिए नहीं थे, बल्कि सच्चाई के लिए थे, जिससे हमारे लिए साथ दर्शकों के लिए भी यह अनुभव पवित्र और वास्तविक बन सके। निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, 'जटाधारा' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था और निर्भीकता से जन्मा एक अनुभव है। हम ऐसा संसार बनाना चाहते थे जो सच्चा लगे। हर मंत्र, हर अनुष्ठान, हर भावना, सब कुछ सच्चाई से उपजा था।

सेट की ऊर्जा शब्दों से परे थी और ऐसा लग रहा था जैसे सिनेमा और दिव्यता का संगम हो गया हो। सह-निर्देशक अभिषेक जायसवाल भी कहते हैं, जब आप रहस्यमय तत्वों को दिखाने की कोशिश करते हैं, तो विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर होना आसान है, लेकिन हम प्रामाणिकता चाहते थे। वो कंपन, वो ध्वनि, जो प्राचीन अनुष्ठानों में होती है उन्हें दिखाना बेहद ज़रूरी था। विशेष रूप सेट पर वे पल बेहद शक्तिशाली थे, और मुझे यकीन है दर्शक भी स्क्रीन पर उसकी तीव्रता महसूस करेंगे। भव्य पैमाने और भावनात्मक गहराई से भरी कहानी के ज़रिए 'जटाधारा' आस्था, भय और भक्ति जैसे विषयों को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने जा रही है। यह फिल्म दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाएगी जहां रहस्य और मानवता का संगम होता है। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत 'जटाधारा' एक द्विभाषी (बाइलिंगुअल) सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसका निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है।

फिल्म में अक्षय केजरीवाल और कुस्सुम अरोड़ा सह-निर्माता, दिव्या विजय क्रिएटिव प्रोड्यूसर और भविनी गोस्वामी सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकाला और सुबलेखा सुधाकर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। सच कहें तो ज़ी म्यूज़िक कंपनी द्वारा प्रस्तुत इसके शक्तिशाली साउंडट्रैक के साथ, 'जटाधारा' वर्ष की सबसे महत्वाकांक्षी और दृष्टिगत रूप से शानदार सिनेमाई प्रस्तुतियों में से एक साबित होने जा रही है। यह एक ऐसी महागाथा होगी, जो आस्था, नियति और प्रकाश-अंधकार के अनंत संघर्ष की कहानी कहती है।

सम्मान

पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट में एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती।

मारवाड़ी युवा मंच चेन्नई मेट्रो द्वारा सम्पन्न हुई अयोध्या-काशी यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मारवाड़ी युवा मंच चेन्नई मेट्रो द्वारा प्रायोजित अयोध्या, प्रयागराज एवं काशी विश्वनाथ धाम की धार्मिक यात्रा का संघ 108 यात्रियों के साथ आज ट्रेन द्वारा कुशल चेन्नई वापस पहुँचा। चेन्नई मेट्रो के चेयरमैन राजेश सुराणा ने बताया कि यात्रा का शुभारंभ 27 अक्टूबर को हुआ था। अयोध्याधाम में यात्रियों ने भगवान श्रीरामलला के दर्शन के साथ हनुमानगढ़ी, दशरथ मंदिर, कनक भवन एवं प्राचीन आदिनाथ जैन मंदिर का दर्शन किया। संध्या के समय सामूहिक भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें सभी यात्रियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अगले दिन प्रयागराज में पवित्र गंगा तट पर स्नान के बाद प्राचीन लेटे हुए हनुमान मंदिर के दर्शन किए गए। तत्पश्चात बस द्वारा सभी यात्री वाराणसी के लिए रवाना हुए। वाराणसी पहुँचकर यात्रियों ने जैन तीर्थ चन्द्रपुरी, सिंहपुरी, भेलुपुर एवं बदोनी तीर्थ के दर्शन एवं पूजा का लाभ लिया। संध्या समय अस्सी घाट पर गंगा आरती का मनोहर दृश्य देखकर सभी भक्त भावविभोर हो उठे।

चौथे दिन ब्रह्ममुहूर्त में सभी श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर दर्शन किए एवं कालभैरव मंदिर का भी लाभ लिया। यात्रा के व्यवस्थापक अमित चौधरी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा हेतु प्रत्येक स्थल पर स्वादिष्ट एवं स्वरुचि भोजन की विशेष व्यवस्था की गई थी। यह धार्मिक यात्रा 3 नवम्बर को सकुशल चेन्नई पहुँची। सभी यात्रियों ने मारवाड़ी युवा मंच चेन्नई मेट्रो द्वारा आयोजित इस यात्रा की सराहना की और इसे यादगार अनुभव बताया। इस आयोजन को सफल बनाने में चेन्नई मेट्रो अध्यक्ष अनिल सिंघवी, प्रोजेक्ट चेयरमैन विपिन मेहता, व्यवस्थापक प्रवीण मुनोथ, राजेश पारेक, सुनील सेन, अखिल जैन, दिलीप गहलोत, राजू सुराणा, सरवन राठी, विकास, मनोज शर्मा, संजय गांधी,दिनेश नाहर, किरण, प्रेम, दिलीप दुगड़, अमित सुराणा एवं अभिनंदन गुलेचा का विशेष सहयोग रहा।

तमिल और प्राकृत का आगमकालीन रिश्ता : डॉ. धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शास्त्रीय भाषा प्राकृत के प्रचार के क्रम में मंगलवार को साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने भगवान महावीर फाउंडेशन के संस्थापक एन. सुगालचंद जैन से मुलाकात की और उन्हें प्राकृत भाषा की वर्णमाला तथा प्राकृतविद्या (भाग 1-3) पुस्तकें भेंट की। डॉ. धींग ने बताया कि भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति 2020 में प्राकृत भाषा का उल्लेख किया। उसके बाद पिछले साल 2024 में सरकार ने प्राकृत को शास्त्रीय (क्लासिकल) भाषा की मान्यता दी। अब समाज और शैक्षणिक संस्थानों का कर्तव्य है कि प्राकृत शिक्षा और अनुसंधान को भी बढ़ावा दें।

उन्होंने बताया कि बहुश्रुत जयमुनि की निश्रा में विगत चार सालों से राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठियाँ हो रही हैं। समवायांग और प्रज्ञापना सूत्र के संदर्भ से डॉ. धींग ने कहा कि तमिल और प्राकृत का आगमकालीन रिश्ता है।

एएम जैन कॉलेज की बॉक्सिंग टीम ने सीएम ट्रॉफी स्टेट चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएम जैन कॉलेज (अगरचंद मानमल जैन कॉलेज) के शारीरिक शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में सीएम ट्रॉफी राज्य मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में कॉलेज की महिला मुक्केबाजी टीम ने असाधारण कौशल, एकाग्रता और दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न भार वर्गों में अनेक पदक हासिल कर कॉलेज का गौरव बढ़ाया है।

उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए प्रशंसा व्यक्त करते हुए कॉलेज के सह सचिव हेमंत चोरडिया ने कहा कि महिला मुक्केबाज़ों ने एक बार फिर सशक्तीकरण, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता की सच्ची भावना का परिचय दिया है। हमें महिलाओं को खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने और सफलता की नई ऊँचाइयों तक पहुँचने के अवसर और प्रोत्साहन प्रदान करने पर गर्व है। उनकी जीत उनके अथक प्रयास और कॉलेज प्रबंधन द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग का प्रतीक है। कॉलेज के प्राचार्य, डीन और निदेशक ने विजेताओं को बधाई दी और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा परिसर में अनुशासन और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की।

महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो का वर्ष 2025-27 की टीम का शपथ ग्रहण समारोह 2 नवंबर को वेपेरी स्थित प्रिंस गेलडा गार्डन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत महावीर इंटरनेशनल की प्रार्थना से हुई। मुख्य अतिथि प्यारेलाल पितलिया, विशेष अतिथि रवीन्द्र कुमार जैन, जोन चेयरमैन निरंजन सोलंकी व अन्य पदाधिकारीयों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात ओविया ने भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुत किया।

चेयरमेन ज्ञानचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया और सभी को प्रेरित करते हुए नेतृत्व की भावना से आगे बढ़ने का संदेश दिया। सचिव दिलीप मेहता ने 2023-2025 कार्यकाल की रिपोर्ट साझा की व सभी सदस्यों और सहयोगियों का हृदय से आभार प्रकट किया। सभी अतिथियों का सम्मान किया ग या।

महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के वाइस प्रेसिडेंट ज्ञानचंद कोठारी ने वर्ष 2025-27 के चेयरमैन विजयराज कटारिया् को शपथ ग्रहण करवाया। तथा जोन चेयरमैन निरंजन सोलंकी ने सलाहकार ज्ञानचंद कोठारी, वाइस चेयरमैन दिनेश बी भलगट व गौतम चोरडिया, सचिव दिलीप मेहता, संयुक्त सचिव ज्ञानचंद चोरडिया, तथा कोषाध्यक्ष पूनमचंद मांडोत को विधिवत रूप से शपथ ग्रहण करवाया। मुख्य अतिथि प्यारेलाल पितलिया ने कार्यकारिणी सदस्य अशोक मेहता, अजीत नागोरी, नरेश खीचा, राजेंद्र बेताला, विजयराज गांधी, धर्मेन्द्र सुंदेशा, राजेंद्र खारीवाल, मुकेश चुत्तर, महेश मेहता, महावीर खाबिया व सचिन जैन को शपथ दिलाई।

नए चेयरमैन विजयराज कटारिया ने कहा कि नेत्र दान पर अपनी बात कही। मुख्य अतिथि प्यारेलाल पितलिया ने नई समिति के सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे ऐसे कार्य करें जिससे उनकी पहचान और योगदान आने वाले समय में अविस्मरणीय बनें और वे अगली टीम के लिए नए मिसाल कायम करें।

मैलापुर संघ का भाव-वंदन कार्यक्रम कोयंबटूर में सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ, मैलापुर की ओर से तथा मैलापुर स्थानकवासी जैन महिला मंडल की प्रेरणा से डॉ. प्रतिभाश्रीजी म.सा.के पावन दर्शन एवं भाव-वंदन हेतु लगभग 40 श्रद्धालुओं का प्रतिनिधि मण्डल मंगलवार को कोयंबटूर संघ की पुण्यभूमि पर पहुँचा।

यह अवसर कोयंबटूर संघ में आयोजित कर्तव्यगता दिवस कार्यक्रम का था, जिसमें मैलापुर संघ के श्रद्धालुओं ने अपनी गहन श्रद्धा और भक्ति के साथ भावपूर्ण उपस्थिति दर्ज की।

कार्यक्रम के दौरान मैलापुर संघ के मंत्री विमलचंद खाबिया ने अपने प्रेरणादायी शब्दों में चातुर्मास की सफल साधना तथा पूज्य गुरुओं के प्रति अपनी गहन कृतज्ञता व्यक्त की।

महिला मंडल की ओर से रतन बैद ने अपनी हृदयस्पर्शी भावनाएँ व्यक्त कीं, वहीं महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा पूज्य साध्वी श्री ऋषिताश्रीजी म.सा. के प्रति समर्पित एक मधुर गुरु-वंदना गीत प्रस्तुत किया गया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा और भावनाओं से अनुप्राणित हो उठा। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष शांतिलाल चोरडिया, मंत्री विमलचंद खाबिया, कोषाध्यक्ष इंदरचंद कंकलिया, महिला मंडल की समन्वयक रतन बैद, कुसुम चोरडिया, रेनू चोरडिया, उगमा बाई कंकलिया, सरोजा सोलंकी, युवक संघ अध्यक्ष संजय सेठिया, सहमंत्री सिद्धार्थ रूनवाल तथा संघ के सक्रिय सदस्य धरमचंद चोरडिया, दिलीप रांका, नेमीचंद कर्णावट, गौतम अलिजार, विजयकुमार बैद, दिलीप रूनवाल एवं पूरन खांटेड़ आदि उपस्थित रहे।

अवैध भूमि पर धर्मस्थल बनाना सबसे बड़ा भ्रष्टाचार है : राष्ट्रसंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के जैन भवन में मंगलवार को राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि आध्यात्मिक देश जहां कदम कदम पर धर्मस्थल प्रवचन दर्शन साधना उपासना।की भरमार है। वहां पर भ्रष्टाचार का नंगा नाच धर्म की दुहाई देने वालों के मुंह पर कारा तमाचा है। भ्रष्टाचार अपने आप में अधर्म पाप और मानवता पर कलंक, शर्मसार करने वाली घटना है। सबसे बड़ा अन्याय है। नाजायज भूमि पर अवैध रूप से धर्म स्थल बनाना सबसे बड़ा भ्रष्टाचार है। उस स्थान पर की गई इबादत पूजा भगवान कभी स्वीकार नहीं करेगा यह परमात्मा के साथ धोखा है।

मुनि कमलेश ने बताया कि अंधेरा और प्रकाश एक साथ नहीं रह सकता वैसे ही धार्मिकता भ्रष्टाचार एक जीवन में एक साथ नहीं रह सकते। धार्मिकता और भ्रष्टाचार में 36 आंकड़ा है भ्रष्टाचार के माध्यम से न्याय और नीति का जनाजा निकल जाता है। भ्रष्टाचार का पैसा घर में प्रवेश करेगा तो विवाद झगड़ा पैदा करेगा। भ्रष्टाचार आतंकवाद से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है दुर्भाग्य है धर्म स्थल की इससे अछूते नजर नहीं आ रहे हैं। अनीति और बेईमानी से उपार्जित किया गया पैसा हराम का पैसा है।

जैन संत ने कहा कि भ्रष्टाचार के कीटाणु से देश खोखला हो रहा है। खून भी रंग गया है। कैंसर के रोग की भांति तेजी से फैल रहा है इसकी किसी को परवाह नहीं है, भ्रष्टाचार देने वाला और लेने वाला दोनों ही अपराधी है, आजादी के जंग की भांति भ्रष्टाचार के खिलाफ एक को लड़ाई लड़ने के लिए सबको कमर कसनी होगी। देश को जितना अपने वालों ने लूटा और लूट रहे हैं उतना तो विदेशी ताकतों ने भी गुलामी के समय नहीं लूटा। भ्रष्टाचार का पैसा बुद्धि को मलिन करता है, शरीर को रोगी बनता है और आत्मा को बुरे कर्मों की जंजीरों में जकड़ता है। धर्म मठाधीश, व्यापारी कर्मचारी, नेता, सामान्य जनता सब बराबर की दोषी है। कोई भी भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है।

भ्रष्टाचार से मुक्त हुए बिना धार्मिकता में प्रवेश नहीं कर सकता। विजयवाड़ा श्रावक संघ में उपस्थित होकर चातुर्मास की विनती की। मीडिया प्रभारी अजीत कोठारी ने संचालन किया।

गुरु के चरणों में समर्पण और आभार का पर्व : कृतज्ञता दिवस सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सान्निध्य में मंगलवार को कृतज्ञता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने गुरु के प्रति अपनी कृतज्ञता और भाव व्यक्त किए।

अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा ने भावविभोर होकर आत्मीयता के साथ गुरु के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की तथा समिति के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों का अभिनंदन किया। मंत्री विनयचंद पावेचा और सह मंत्री गौतमचंद गुगालिया ने सभी को धन्यवाद दिया।

वहीं कार्याध्यक्ष मीठालाल पगारिया ने गुरु के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए समिति से जुड़े सभी पदाधिकारियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और अभिनंदन किया।

विचार व्यक्त करने वालों में मदनलालजी गुंदेचा, धर्मीचंद सिंघवी, गौतम गुगालिया, संतोष पगारिया, जी.एस.वी. महिला मंडल, अजीत गोटी, महावीर पगारिया, सुदर्शन चलानी सहित कई सदस्यों ने गुरु के प्रति अपनी भावनाएँ साझा की। सभी समितियों ने गुरु के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करते हुए भवंत मुनिश्री और जयवंत मुनिश्री का भी गुणगान किया। संचालन के दौरान विनयचंद पावेचा ने कहा कि ऐसे गुरु को पाकर शिष्य धन्य हो जाते हैं और ऐसे शिष्यों को पाकर गुरु निहाल हो जाते हैं।

इस अवसर पर निर्मला बाई दरड़ा ने 15 दिन की तपस्या के लिए पच्चखान लिया, जिनका भी स्वागत और अभिनंदन किया गया।

किलपॉक संघ में चारित्र वंदनावली की हुई आराधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में चल रहे अष्टान्हिका महोत्सव के चौथे दिन अत्यंत भावपूर्ण एवं अनूठा आयोजन चारित्र उपकरण वंदनावली संपन्न हुई। इस वंदनावली में प्रत्येक उपकरण का चढ़ावा आत्मिक शक्ति के रूप में अर्पित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।आचार्य भगवंत हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि यह वंदनावली मात्र अनुष्ठान नहीं, भावों का परिवर्तन है। ये उपकरण केवल प्रतीक नहीं, मोक्ष का मार्ग हैं। रजोहरण और मुहपत्ती संयम जीवन का लाइसेंस हैं। अनुमोदना से ही सच्चे भाव जागृत होते हैं।

पंन्यास प्रवर विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि मानव भव अनुपम है। देव भी मानव जन्म पाने के लिए लालायित रहते हैं, क्योंकि मोक्षमार्ग की साधना केवल यहीं संभव है।

उन्होंने आगे कहा, साधु वेश त्याग और संस्कृति का प्रतीक है। त्याग का वेश संस्कृति को बढ़ाता है, जबकि विकृति का वेश विकृति को। कार्यक्रम में अनेक श्रद्धालुओं ने पचक्खाण और विविध नियमों का संकल्प लिया, अगले पांच वर्षों तक नए वस्त्र नहीं खरीदने, आजीवन वस्त्र पडिलेहणा, 2500 बार गुरु वंदन, 1000 दिनों तक प्रतिदिन पाँच घंटे मौन व्रत, पांच वर्षों में 500 आयंबिल तप, आजीवन ब्रह्मचर्य पालन जैसे अनूठे प्रणों से श्रद्धालु जुड़े। दीक्षार्थी निर्मलादेवी के हाथों श्रद्धालुओं को चारित्र उपकरण प्रदान किए गए। लाभार्थी जम्मूबाई रूपचंद कोठारी परिवार का संघ की ओर से सम्मान हुआ। संगीत संयोजन जतिन संकलेचा और संवेदना स्वर शिखर कोचर ने दिया।

नारायणी अस्पताल में नए ईवीओ सीटी स्कैनर का उपमुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेलूर। यहां अरीउर स्थित श्री नारायणी अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में मंगलवार को 5.5 करोड़ रुपये मूल्य के अत्याधुनिक 128 स्लाइस जीई रिवोलेशन युक्त नए ईवीओ सीटी स्कैनर केंद्र का उद्घाटन तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री थिरू. उदयनिधि स्टालिन ने फीता काटकर किया। दलपतसिंह भायल ने बताया कि यह यह नवीनतम सीटी स्कैनर हृदय, न्यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी एवं ऑर्थोपेडिक संबंधी रोगों की सटीक जांच और सूक्ष्म पहचान में सहायता करेगा। इस अवसर पर सांसद कदीर आनंद, विधायक नंदकुमार एवं कार्तिकियन, अस्पताल के निदेशक एवं ट्रस्टी प्रो. एन. बालाजी, मेयर सुजाता आनंद कुमार सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

एफएआई बोर्ड ने कोरोमंडल इंटरनेशनल के एस शंकर सुब्रमण्यन को अध्यक्ष चुना

नई दिल्ली। भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) के निदेशक मंडल ने 31 अक्टूबर को हुई बैठक में कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ एस शंकर सुब्रमण्यन को अध्यक्ष चुना।

हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. सिबा प्रसाद मोहंती, जो पहले दो सह-अध्यक्षों में से एक थे, अब एफएआई के एकमात्र सह-अध्यक्ष होंगे। शंकर सुब्रमण्यन, जो वर्तमान में एफएआई बोर्ड के सह-अध्यक्ष और एफएआई के दक्षिणी क्षेत्र के अध्यक्ष हैं, उर्वरक उद्योग, खासकर फॉस्फेटिक और पोटाशिक क्षेत्र में तीन दशकों से ज्यादा का अनुभव रखते हैं। इस अवसर पर शंकर सुब्रमण्यन ने कहा, 'एफएआई संसाधन दक्षता और संतुलित पोषण के माध्यम से नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

ध्यान में ही है मुक्ति का द्वार : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने अपने प्रवचन में ध्यान की शक्ति और आत्मशुद्धि के महत्व पर प्रेरक उपदेश दिए। मुनिश्री ने कहा कि ध्यान वह साधना है जो आत्मा को उसके मूल स्वरूप से जोड़ती है। जब मन की तरंगें शांत होती हैं, तब भीतर का दिव्य प्रकाश स्वयं प्रकट होता है। उन्होंने समझाया कि बाह्य सुख क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक शांति केवल ध्यान की गहराई में ही प्राप्त होती है। गुरुवर ने कहा कि मुक्ति का द्वार कहीं बाहर नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के अंतर्मन में विद्यमान है। जो व्यक्ति अपने भीतर उतरने का साहस करता है, वह परमात्मा के साक्षात्कार का अनुभव कर सकता है। उन्होंने यह भी प्रेरणा दी कि ध्यान कोई पलायन नहीं, बल्कि यह तो जीवन को जागरूकता और करुणा से भरने का माध्यम है। साधक जब ध्यान में स्थित होता है, तब उसका मन निर्मल, वचन मधुर और कर्म कल्याणकारी हो जाते हैं। प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समापन में मुनिश्री ने कहा कि ध्यान में बैठना ही आत्मा की यात्रा आरंभ करना है और जब यात्रा भीतर की ओर होती है, तभी मुक्ति का द्वार खुलता है। रूपेश मुनि जी के मधुर भजन गाया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.